संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 327
पृष्ठ 8
शनिवार
17 अगस्त 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नाइट सिफ्ट करने वाली...

विचार- अभिव्यक्ति के अधिकार की रक्षा का...

खेल- ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज का दावा...

अटल जी ने रखी थी आधुनिक भारत की नींव : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने आधुनिक भारत की नींव रखी थी। शुक्रवार को वाजपेयी की छठी पुण्यतिथि पर लोकभवन में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद उन्होने कहा कि तीन बार देश का प्रधानमंत्री बनने के साथ ही वाजपेयी ने भारत की राजनीतिक अस्थिरता को दूर किया था। 25 दिसंबर 1924 को जन्में अटल जी का लगभग छह दशक का सार्वजनिक जीवन पूर्णतः निष्कलंक रहा। उन्होंने भारतीय राजनीति को एक नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अटल जी को भारतीय राजनीति का अजातशत्रु

करार देते हुए कहा कि भारतीय राजनीति में उनकी पहचान एक सर्वमान्य चेहरे के रुप में थी। देश को सुशासन, इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्रामीण विकास का मॉडल अटल जी ने दिया था। अटल जी की सरकार में चलाए गए अंत्योदय के कार्यक्रम उनकी दूरदर्शिता को प्रदर्शित करते हैं। अटल जी की स्मृतियों को नमन करते हुए सीएम योगी ने कहा कि स्वतंत्र भारत में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सानिध्य में अटल जी ने अपने सार्वजनिक जीवन का शुभारंभ किया था। 1957 में वह बलरामपुर (वर्तमान में श्रावस्ती) से पहली बार सांसद चुने गए थे। स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को लगातार 10 बार लोकसभा एवं दो बार राज्यसभा में जाने का अवसर प्राप्त हुआ था, जिसमें वह पांच बार लखनऊ से सांसद चुने गए थे। योगी ने कहा कि आज अटल जी हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी स्मृतियां, उनकी कविताएं और भारतीय राजनीति के उनके मूल्य एवं सिद्धांत सदैव हमें एक नई प्रेरणा प्रदान करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि भारत को एक वैश्विक महाशक्ति के रुप में स्थापित करने के लिए अटल जी द्वारा किए गए प्रयासों को देश कभी विस्मृत नहीं कर सकता है। सीएम योगी ने कहा कि अटल जी के सत्प्रयासों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए कृतज्ञ राष्ट्र ने उन्हें भारत रत्न की उपाधि से भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में योगी के साथ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं वर्तमान में राज्यसभा सदस्य डॉ दिनेश शर्मा, पूर्व जल शक्ति मंत्री महेंद्र सिंह और भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

मोहम्मद यूनुस ने पीएम मोदी से की फोन पर बात

हिंदुओं की सुरक्षा का दिया भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने फोन किया, जिसमें उन्होंने पड़ोसी देश में मौजूदा स्थिति पर विचारों का आदान–प्रदान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकतांत्रिक, स्थिर और शांतिपूर्ण बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन को दोहराया और बांग्लादेश में हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आश्वासन दिया। मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि बांग्लादेश के अंतरिम सरकार प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस से फोन पर बात की। मौजूदा स्थिति पर विचारों का आदान–प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण और प्रगतिशील बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, संरक्षा और सुरक्षा का आश्वासन

दिया। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को उम्मीद जताई थी कि हिंसा प्रभावित बांग्लादेश में हालात जल्द ही सामान्य होंगे। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीय पड़ोसी देश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में कहा कि भारत शांति के लिए प्रतिबद्ध है और वह बांग्लादेश की विकास यात्रा में उसका शुभचिंतक बना रहेगा। बांग्लादेश में पिछले दिनों प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देने के बाद से कई हिंदू मंदिरों, हिंदू समुदाय के लोगों के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की खबरें हैं। नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली को लेकर शेख हसीना नीत सरकार के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद देश में अव्यवस्था का माहौल हो गया। मोदी ने कहा, ''बांग्लादेश में जो कुछ हुआ है उसे लेकर पड़ोसी देश के नाते हमें चिंता होना स्वाभाविक है। मैं आशा करता हूं कि वहां हालात जल्द सामान्य होंगे।''

सीएम ममता ने निकाला विरोध मार्च, बोलीं-

वामपंथियों और भाजपा के गठजोड़ का पर्दाफाश होना

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। उन्होंने पीड़िता के लिए न्याय और आरोपियों को मृत्युदंड की मांग की। बनर्जी के साथ आए टीएमसी कार्यकर्ताओं ने आरोपियों को मृत्युदंड देने के लिए नारे लगाए, यह मांग मुख्यमंत्री पहले ही कर चुकी हैं। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के सेमिनार रूम में 9 अगस्त को महिला पोस्ट–ग्रेजुएट ट्रेनी डॉक्टर के साथ कथित तौर पर बलात्कार और हत्या कर दी गई थी। इस

मामले पर कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के बाद मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया गया था। केंद्रीय एजेंसी की टीम 14 अगस्त को कोलकाता पहुंची और स्थानीय पुलिस से मामले को अपने हाथ में ले लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार चाहती है कि सच्चाई सामने आए और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भ्यामपंथी और भाजपाष के बीच की सांठगांठ को उजागर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि सच्चाई सामने आए, लेकिन कुछ लोग लोगों को गुमराह करने के लिए झूठ फैला रहे हैं। मैं पूरी रात जागती रही, क्योंकि मेरा सीना जल रहा था।

अरविंद केजरीवाल को सिसोदिया ने दी जन्मदिन की बधाई, कहा- तानाशाही के खिलाफ सबसे कठिन लड़ाई लड़ रहे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और कहा कि पार्टी सुप्रीमो देश में चल रही तानाशाही के खिलाफ सबसे कठिन लड़ाई लड़ रहे हैं। अपने एक्स पोस्ट में सिसोदिया ने कहा कि देश में चल रही तानाशाही के ख़िलाफ़ सबसे कठिन लड़ाई लड़ने वाले दिल्ली के मुख्यमंत्री, मेरे परम् प्रिय मित्र और राजनैतिक गुरु, अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की बहुत बहुत शुभकामनाएँ। सिसोदिया ने आगे लिखा कि हमें गर्व है कि हम एक ऐसे देशभक्त और क्रांतिकारी नेता के सिपाही हैं जिसने तानाशाह के सामने घुटने टेकने के बजाय जेल जाना चुना। अरविंद

केजरीवाल के रूप में आज देश का लोकतंत्र जेल में क़ैद हैं। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने केजरीवाल को ''आधुनिक भारत का क्रांतिवीर'' बताया और उनके जेल से जल्द बाहर आने का भरोसा जताया। आतिशी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''आज आधुनिक भारत के क्रांतिवीर अरविंद केजरीवाल का जन्मदिन है, जिन्होंने अपने शासन मॉडल से दिल्ली की दशा–दिशा बदल दी। अपनी ईमानदारी की राजनीति से दिल्ली के लोगों को नयी उम्मीद दी।'' उन्होंने कहा, ''तानाशाही से लड़ते हुए लाखों लोगों के भविष्य को संवारने वाले अरविंद केजरीवाल आज झूठे मामले में जेल में बंद हैं लेकिन सच्चाई की जीत होगी, दिल्लीवालों के चहेते मुख्यमंत्री बाहर आएंगे।'' राघव चड्ढा ने लिखा कि आज, हम सिर्फ़ एक व्यक्ति का जश्न नहीं मनाते–हम एक घटना का जश्न मनाते हैं। अरविंद केजरीवाल, आपने दिखाया है कि ईमानदारी और सेवा राजनीति का केंद्र हो सकती है। आप आधुनिक भारत के लिए एक स्वतंत्रता सेनानी हैं, जिन्हें आपसे पहले के लोगों की तरह अन्यायपूर्ण तरीके से जेल में डाला गया था। लेकिन जैसा कि इतिहास बताता है, सत्य की जीत होगी। वे आपको सलाखों के पीछे डाल सकते हैं, लेकिन वे उन लाखों लोगों में जो उम्मीद आपने जगाई है, उसे बांध नहीं सकते, जिनमें मैं भी शामिल हूँ।

कौशांबी में सड़क हादसे में तीन मरे 18 घायल

कौशांबी,एजेंसी। उत्तर प्रदेश मेंकौशांबी जिले के सैनी क्षेत्र में शुक्रवार को श्रद्धालुओंसे भरी हुई पिकअप गाड़ी के ट्रक से टकराने से उसमे सवार एक महिला समेत तीन की मौत हो गयी जबकि 18 अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बलरामपुर, छत्तीसगढ़ निवासी 21 श्रद्धालु पिकअप गाड़ी से अयोध्या, मथुरा दर्शन करने के बाद इलाहाबाद कानपुर राष्ट्रीय मार्ग से वाराणसी जा रहे थे किसैनी थाना क्षेत्र में गुलामपुर बाजार के पास सड़क के किनारे खड़े ट्रेलर ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में पिकअप सवार फेकू साव, मुन्नी प्रजापति और शिवकुमारी की मृत्यु हो गई जबकि जवाहर नगर थाना बरदर जनपद बलरामपुर छत्तीसगढ़ अजय पाल, परमेश्वर, रितेश, सुरेश, अंकित, आरती, दिलीप, राकेश, अखिलेश, जागो उर्फ बृहस्पति देवी, विकि पिकअपचालक महेश्वर, ललितादेवी, भोला पाल, बाबूलाल राम कैलाश, जयप्रकाश, राजेंद्र 18 लोग घायल हो गए।

मुर्मु और मोदी ने 'सदैव अटल' जाकर वाजपेयी को दी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रीमती मुर्मु, श्री मोदी, श्री सिंह और श्री नड्डा सुबह– सुबह श्री वाजपेयी की यहां स्थित समाधि सदैव अटल पहुंचे और उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये। श्री

वाजपेयी को श्रद्धांजलि देने के बाद श्री मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा ," राष्ट्र निर्माण में उनके असाधारण योगदान के लिए असंख्य लोग उन्हें श्रद्धा के साथ याद करते हैं । उन्होंने लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में अपना पुरा जीवन खपा दिया। हम भारत के बारे में उनके सपने पूरा करने के लिए कार्य करते रहेंगे।" श्री सिंह ने अपनी पोस्ट में लिखा, " अटल जी की 'पुण्यतिथि' पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्र उनके योगदान के लिए हमेशा ऋणी रहेगा।"श्री नड्डा ने भी अपनी पोस्ट में कहा," भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक,पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' परम श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर स्मृति स्मारक 'सदैव अटल' जाकर उन्हें भावपूर्ण पुष्पांजलि अर्पित की। आपका संपूर्ण जीवन राष्ट्र व जनकल्याण को समर्पित रहा। राजनीतिक सुचिता के आपके प्रतिमान, आदर्श व्यक्तित्व, प्रेरक कविताएं सदैव हमारी प्रेरणा हैं।"

शीर्षक : हमारा श्रेष्ठ आर्यावर्त

हमें निज देश की अखंडता पे गर्व है,
संस्कृतियों का देश ये अनेक यहाँ पर्व हैं,
देश की स्वतंत्रता सा नहीं कोई पर्व है,
राम श्याम की वसुंधरा पे हमें गर्व है।

बहुरंगी विविधता ही इसका सौंदर्य है,
गंगा सी पवित्र नदियों का जहाँ जल है,
मानस ,पुराण ,गीता भागवत सा ग्रंथ है,
ऐसी धरा - धाम को दिल से नमन है।

स्वर्ग से देव भी कर रहे वंदन है,
पावन धरा में लिया जिन्होंने जनम है,
नदियों का स्रोत हिमालय सा जहाँ नग है,
देश की है आत्मा जो देश का तन है।

देवों के नगर से आई देवनागरी लिपि है,
धर्म ,ज्ञान ,संस्कृति की हुई जो आधार है,
कालिदास जैसे मूर्ख लिखते शाकुंतल हैं,
मरा नाम जपने वाले ब्रह्म के समान हैं।

अनामिका तिवारी
"अन्नपूर्णा"प्रयागराज

अयोध्या,काशी ,मथुरा, सी जहां सप्तपुरी हैं,
राजा है प्रयाग करे पापों का जो नाश है,
कथकली, कुचिपुड़ी,अट्टम, मणिपुरी हैं,
संस्कृति सजीव किए नृत्य जो महान हैं।

गार्गी, अपाला, घोषा विदुषी जहाँ हुई हैं,
लक्ष्मीबाई,हाड़ा ,चेन्नम्मा सी बेटियाँ हैं,
भगतसिंह , बोस,पांडे से वीर हुए जहाँ ,
ऐसी भारतभूमि को नमन बार - बार है

70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेताओं की घोषणा

नयी दिल्ली, एजेंसी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शुक्रवार को 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (2022) के विजेताओं के नामों का एलान कर दिया। 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के विजेताओं की घोषणा यहां नेशनल मीडिया सेंटर में की गयी। वर्ष 2022 में विभिन्न भाषाओं में निर्मित सर्वश्रेष्ठ भारतीय फिल्मों को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जायेगा। बेस्ट फिल्म से लेकर बेस्ट एक्टर–एक्ट्रेस तक कई कैटेगिरी में इन अवॉर्ड्स की घोषणा की गयी। 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार एक जनवरी से 31 दिसंबर, 2022 तक सेंसर बोर्ड द्वारा सर्टिफाइड फिल्मों को दिये गये हैं। 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में कन्नड़ सुपरस्टार ऋषभ शेट्टी ने बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड अपने नाम किया है। उन्हें उनकी फिल्म 'कांतारा' के लिये बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला है। इस वर्ष की जूरी में फीचर फिल्म जूरी के अध्यक्ष, राहुल रवैल, नीला माधब पांडा, गैर–फीचर फिल्म जूरी की अध्यक्ष और गंगाधर मुदलैर, सिनेमा जूरी पर सर्वश्रेष्ठ लेखन के अध्यक्ष थे। मलयालम भाषा के नाटक आत्म ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार जीता, जबकि सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सम्मान नित्या मेनन और मानसी पारेख ने साझा किया। पोन्नियिन सेलवनरू 1 ने सर्वाधिक चार पुरस्कार जीते। तिरुचित्राबलम में नित्या मेनन और कच्छ एक्सप्रेस के लिये मानसी पारेख ने अवार्ड जीता। सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार सूरज बड़जात्या को फिल्म उंचाई के लिये दिया गया।

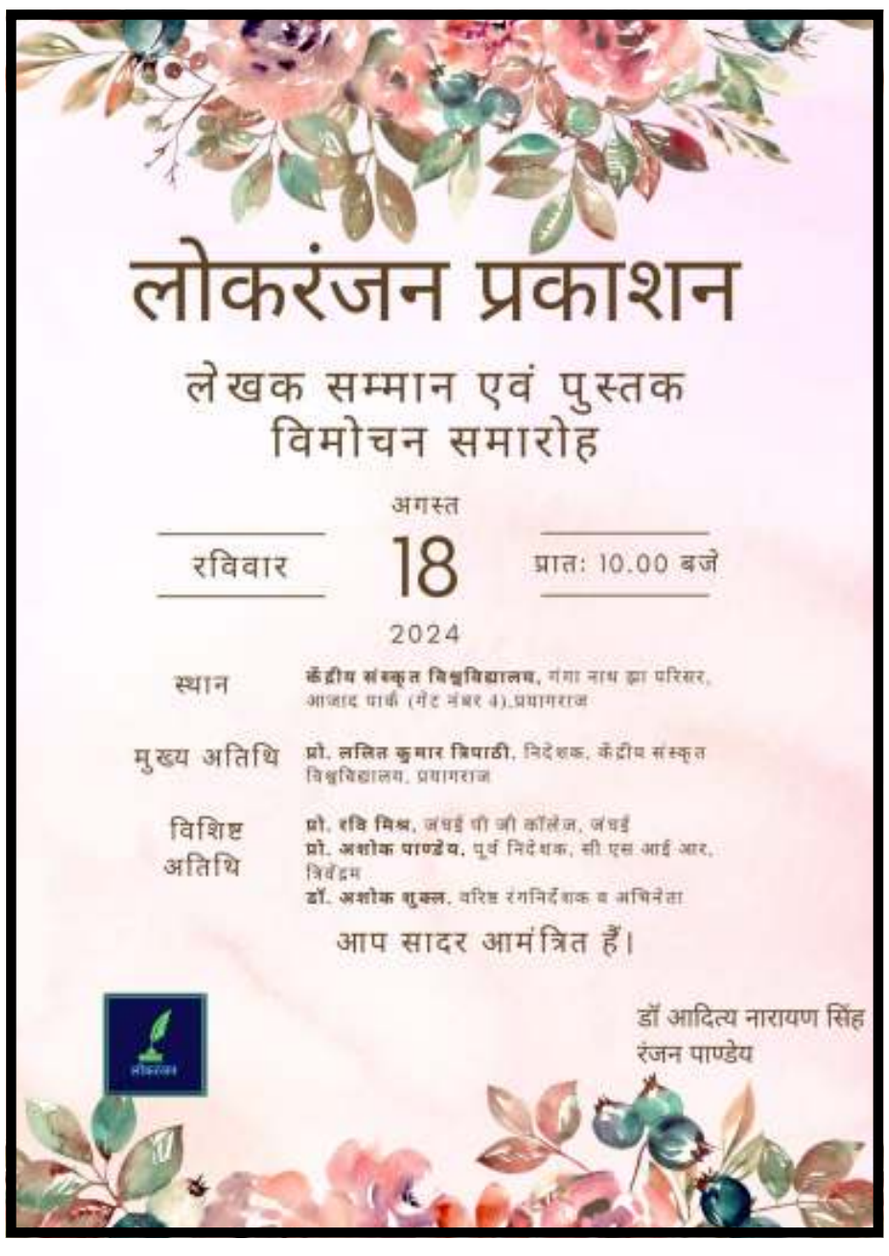

अब कौन कर रहा...आईएस-227 अतीक गैंग को ऑपरेट

जांच एजेंसी को फरार महिलाओं पर गैंग को लीड करने का शक

प्रयागराज। देशभर में सनसनी फैलाने वाले उमेश पाल हत्याकांड के बाद माफिया अतीक के गैंग आईएस–227 को नेस्तनाबूद करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी गई। माफिया अतीक, उसका भाई अशरफ मारे गए।

गैंग के मेंबर, फाइनेंसर, अतीक और परिवार के करीबी 100 से ज्यादा जेल भेजे गए। अतीक का बेटा उमर लखनऊ जेल मे तो अली नैनी सेंट्रल जेल में हैं। एक बेटा असद एनकाउंटर में मारा गया।

अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन, अशरफ की पत्नी जैनब फात्मा और अतीक की बहन आयशा नूरी इनामी हैं और फरार हैं। ऐसे में पुलिस, एसटीएफ पशोपेश में हैं कि आखिर अतीक गैंग की कमान किसके हाथों में हैं। गोपनीय जांच की जा रही है कि कहीं अतीक का बेटा अली केंद्रीय कारागार से तो गैंग ऑपरेट नहीं कर रहा या फिर फरार महिलाओं में से किसी ने गैंग की कमान अपने हाथों में ले ली है।

आर्थिक मदद के साथ पैरवी में कमीं नहीं

असल में इसकी वजह यह है कि अतीक की दो हजार करोड़ से अधिक की संपत्ति को कुर्क किया जा चुका है। फाइनेंसरों पर शिकंजा कसा लेकिन गैंग की एक्टिविटी पूरी तरह बंद नहीं हुई।

कोई तो है जो अतीक की फरार पत्नी शाइस्ता, जैनब और आयशा नूरी की मदद कर रहा है। कई गैंग मेंबर भी फरार हैं। इन सबके पास रुपये पैसों के साथ अन्य मदद कहां से पहुंच रही है।

अतीक परिवार और गैंग मेंबरों के लिए पैरवी में भी कोई कमी नहीं आई है। यही सवाल पुलिस टीमों को परेशान कर रहा है। आर्थिक मदद के साथ उन्हें पनाह देने से लेकर अन्य मामलों में शक किया जा रहा है कि कोई न कोई है जो चोरी चुपके सारे इंतजाम कराने में लगा है। अब गैंग किसके हाथों ऑपरेट हो रहा है इसकी ठोह लगाई जा रही है।

यूपी में टॉप गैंग में शुमार रहा अतीक का आईएस–227

पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज अतीक अहमद का गैंग आईएस–227 यूपी के टॉप गैंगों में शुमार रहा है। अतीक का इंटर स्टेट गैंग प्रयागराज और आसपास के जिलों में 20 साल से भी अधिक वक्त से टॉप पर ही रहा।

यूं तो अतीक गैंग के सदस्यों पर हत्या, हत्या के प्रयास, अवैध कब्जा, अपहरण, फिरौती, रंगदारी जैसी घटनाएं दर्ज हैं लेकिन इस गिरोह के गुर्गों ने सबसे ज्यादा रुपये जमीन और मकान के धंधे से कमाए। जमीन का धंधा गिरोह को जमीन से आसमान तक पहुंचा गया।

माफिया सूची, भू–माफिया, टॉप टेन अपराधी, बालू खनन, गो तस्करी, अवैध कब्जा, फिरौती–रंगदारी के अपराध में अतीक गैंग के मेंबर ही टॉप वन में रहे। अब एक बार फिर पुलिस के इकबाल को चुनौती देने वाले इस गैंग के मेंबरों की फेहरिस्त और लंबी होने वाली है। शूटरों और बमबाजों की सूची में उमेश हत्याकांड के बाद और नए नाम जुड़ने वाले हैं। गैंग चार्ट में अब पूर्वांचल के कई शूटर ऊपरी पायदान पर नजर आएंगे।

अतीक का गैंग नंबर IS-227 और उसके शूटर

1. नफीस पुत्र तजम्मुल, खुल्दाबाद
2. मुस्तकीन पुत्र अब्दुल रहीम, खुल्दाबाद
3. असरफ उर्फ खालिद पुत्र हाजी फिरोज, खुल्दाबाद
4. गुड्डू पुत्र मो. कथून, खुल्दाबाद
5. अच्छे पुत्र मो. नियां, खुल्दाबाद
6. रफात उल्ला पुत्र रहमत, खुल्दाबाद
7. शब्बीर अहमद पुत्र अब्दुल शकूर, खुल्दाबाद
8. लवकुश पुत्र दुखीलाल, धूमनगंज
9. इशरत अली पुत्र इब्राहीम, खुल्दाबाद
10. सीताराम शुक्ला पुत्र राजकिशोर शुक्ला, खुल्दाबाद
11. सर्फराज अहमद पुत्र जुल्फेकार अहमद, खुल्दाबाद
12. फारुख पुत्र रमजान, बादशाही मण्डी थाना कोतवाली
13. नबी अनवर पुत्र फैज अहमद, धूमनगंज
14. मो0 असलम पुत्र मो. इकबाल, धूमनगंज
15. इसरार पुत्र हफीजुद्दीन, धूमनगंज
16. बल्ली पंडित उर्फ सुधांशु पुत्र हरिहरनाथ तिवारी, धूमनगंज
17. नकसब जिया पुत्र अब्दुल बारी, करैली
18. परवेज टंकी वाला पुत्र जीमल, करैली
19. अब्बास पुत्र यूसुफ, अतरसुइया
20. बालन उर्फ अख्तर पुत्र जाहिद अली, अतरसुइया
21. गिरीश दुबे पुत्र जगदीश दुबे, जार्जटाउन
22. नसीम उर्फ नस्सन पुत्र कल्लन, कौशाम्बी
23. अन्सार अहमद पुत्र मो इलियास, कौशाम्बी
24. जावेद इकबाल पुत्र मोईनुद्दीन, करैली
25. नैयर खां पुत्र हफीज अख्तर, शाहगंज
26. रईस अहमद पुत्र अब्दुल हनीफ, कौशाम्बी
27. मकसूद पुत्र हगन, धूमनगंज
28. मकसूद पुत्र मरदान, धूमनगंज
29. इकरार पुत्र निसार, धूमनगंज
30. गुल हसन पुत्र मन्सूर, धूमनगंज
31. गुलाम रसूल पुत्र मकसूद, धूमनगंज
32. शरीफ पुत्र गुलफुल, धूमनगंज
33. विजय यादव पुत्र रामचन्द्र, जार्जटाउन
34. एजाज अख्तर पुत्र हाजी कुद्दूस, कौशाम्बी

17 साल बाद एक लाख के इनामी पति-पत्नी गिरफ्तार

प्रयागराज में युवाओं को ठगते थे 'बंटी-बबली', UP STF ने गुजरात से पकड़ा

प्रयागराज। UP STF ने प्रयागराज के बंटी–बबली को गिरफ्तार किया है। इनकी गिरफ्तारी गुजरात के अहमदाबाद से हुई है। दोनों 17 साल से फरार थे। इनके ऊपर 50–50 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

दोनों पर प्रयागराज के जार्ज टाउन थाने से जालसाजी का मामला दर्ज था। ये लोग युवाओं को अपने झांसे में लेकर उनसे ठगी करते थे। इनका नाम अमित श्रीवास्तव और उसकी पत्नी शिखा श्रीवास्तव है।

गुजरात जाकर खोल ली कंपनी

यूपी एसटीएफ के मुताबिक, दोनों ने प्रयागराज में वारदात को अंजाम देने के बाद गुजरात में पनाह ली। इसके बाद यहां एक सॉफ्टवेयर कंपनी चलाने लगे। इन्हें अहमदाबाद की बेकरी सिटी के शिवान्ता अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया। प्रयागराज में इंन्फोकॉन्स कंसलटेंस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनाकर बेरोजगारों से ठगी करते थे। ये लोग युवाओं को नौकरी का झांसा देकर ठगते थे।

जालसाज अमित श्रीवास्तव खुद को कंपनी का मैनेजिंग डायरेक्टर और पत्नी शिखा श्रीवास्तव को सह डाइरेक्टर बनाकर ठगी करता था। एसटीएफ के अनुसार कंपनी मे लोगों को सॉफ्टवेयर डेवलपर और इंजीनियर के पद पर नौकरी दी जाती थी। नौकरी लगने पर 80 हजार से 1 लाख तक की सिक्योरिटी मनी जमा कराई जाती थी। बेरोजगारों का काफी पैसा जमा होने के बाद ये दोनों प्रयागराज छोड़कर भाग गए थे।

प्रयागराज छोड़ने के बाद ये दोनों दिल्ली पहुंचे थे और वहां भी कुछ समय तक जालसाजी की। इसके बाद ये दोनों गुजरात में रहने लगे थे। यूपी एसटीएफ ने दंपत्ति पति–पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। अब इन्हें अहमदाबाद की कोर्ट में पेश कर प्रयागराज लाने के लिए कागजी कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों के पास से 2 मोबाइल फोन और 600 रुपये बरामद किए गए हैं।

पूछताछ में खुलासा...

अमित श्रीवास्तव ने बताया कि प्रयागराज के थाना क्षेत्र जार्ज टाउन में उसने इन्फोकान्स कन्सलटेन्टस प्राइवेट लिमिटेड नामक एक कंपनी खोली थी। वह खुद इसका मैनेजिंग डायरेक्टर और उसकी पत्नी शिखा श्रीवास्तव सह डायरेक्टर थी। इस कंपनी में लोगों से पैसा जमा कराकर साफ्टवेयर डेवलपर और इंजीनियर के पद पर नौकरी दी जाती थी। उन्हें वेतन के रूप में प्रतिमाह 8500/– रूपये दिये जाते थे। सिक्योरिटी के रूप में प्रति व्यक्ति पद के अनुसार 80,000/– से 1,00,000/– रुपए जमा करा लिए जाते थे।

प्रयागराज में हमलावरों की गिरफ्तारी न होने पर लगाया जाम

युवक को मारा गया था चाकू, मौत के बाद बढ़ा आक्रोश

प्रयागराज। प्रयागराज के नैनी इलाके में युवक की हत्या के आरोपितयों की न होने से आक्रोश है। ग्रामीणों ने नैनी इलाके में जाम लगाकर आरोपियों को अरेस्ट करने की मांग की। एक घंटे तक युवक के घरवाले और करीबी सड़क पर हंगामा करते रहे। पुलिस ने मशक्कत कर उन्हें शांत किया। अंत में पुलिस के आश्वासन के बाद भीड़ सड़क से हट गई। मामले में नैनी पुलिस की दो टीमें छापेमारी कर रही हैं।

तीन युवकों को पुलिस ने हिरासत में भी लिया है। नैनी पुलिस का कहना है कि युवक को चाकू मारने वाले उसके दोस्त ही हैं। मोमोज खाने के विवाद में झगड़ा होने पर चाकू से हमला किया गया था। बाद में युवक ने दम तोड़ दिया था।

जानिये क्या है पूरा मामला

यमुनापार के नैनी थाना क्षेत्र के छिवकी गांव में बुधवार देर रात मोमेज खाने के दौरान युवकों के बीच झगड़ा हुआ था। मारपीट के दौरान युवकों ने अंकित भारतीया (23) पुत्र राजकुमार भारतीया के सीने में चाकू मार दिया गया था।

अंकित को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। तब तक मामला शांत रहा लेकिन गुरुवार शाम जब शव घर पहुंचा और अंतिम संस्कार होने लगा तो लोगों का आक्रोश बढ़ गया।

इसी के बाद गुस्साए लोग सड़क पर उतर आए और हंगामा कर जाम लगा दिया। परिजनों ने गांव के ही मोहित शर्मा उर्फ मोहित पंडा पुत्र रोहिणी प्रसाद व अन्य युवकों पर आरोप लगाया है। हत्या से पर्दा न उठने और आरोपियों के न पकड़े जाने से घरवालो में आक्रोश है।

प्रयागराज में मरीज परेशान, डॉक्टर की हड़ताल

काउंटर पर पर्चा बनवाने को लेकर तीमारदारों और कर्मचारियों में नोक झोंक

प्रयागराज। प्रयागराज में स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में प्रदर्शन कर रहे रेजिडेंट डॉक्टर आज बड़े पैमाने पर प्रदर्शन कर रहे हैं यहां पर वह ष्वहां पर क्या सरकार नहीं.. बंगाल देश से बाहर नहीं..ष्नहीं जैसे नारे लगा रहे हैं।ष

वहीं, दूसरी तरफ आज पर्चा काउंटर पर पर्चा बनवाने के लिए पहुंचे मरीज और तीमारदारों से काउंटर पर बैठे कर्मचारियों के बीच झड़प हो गई। तीमारदारों ने पर्चा बनाने की जिद पे अड़े थे लेकिन पर्चा नहीं बना। जूनियर डॉक्टरों ने आकर ओपीडी काउंटर बंद कर दिया। अब किसी तरह के पर्चे यहां पर नहीं बनवाए जा रहे हैं। स्त्री एवं प्रस्तुति रोग विभाग में आने वाली गर्भवती महिला को भी इलाज नहीं मिल पा रहा है।

बिना इलाज के लौट रहे मरीज

एसआरएन अस्पताल की कुछ ओपीडी छोड़ दी जाए तो बाकी अधिकांश ओपीडी ठप है। मरीज इलाज के लिए बेहाल हैं। दूर–दराज से आने वाले मरीज बिना इलाज के ही लौट जा रहे हैं। वहीं मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. वत्सला मिश्रा ने डॉक्टरों के साथ मीटिंग कर कहा है कि मरीजों का पर्चा बनाने से न मना किया जाए। मरीजों को असुविधा न होने पाए।

वहीं, कल गुरुवार को धरनारत रेजिडेंट डॉक्टरों के साथ एसआरएन पुलिस चौकी में बैठक हुई।

जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. सचिन कुमार ने कहा, ट्रामा सेंटर, लेबर रूम, गर्ल्स हॉस्टल आदि जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाएं जाएं और इसके साथ ही गार्ड के भी इंतजाम कराए जाएं। एसीपी ने कहा, कि वह ऐसी जगहों की सूची उपलब्ध कराएं जहां पर नाइट में पेट्रोलिंग की जरूरत है। इसके बाद नाइट में पुलिस पेट्रोलिंग कराई जाएगी।

आपके शर्ट पर उलटी के दाग हैं

टप्पेबाजों ने कारोबारी के ड्राइवर से कहा- उल्टी साफ कर लीजिए, उतरते ही उड़ाए 2.75 लाख

प्रयागराज। प्रयागराज में टप्पेबाजों ने एक कारोबारी के ड्राइवर की बाइक की डिक्की तोड़कर 2 लाख 75 हजार रुपए उड़ा दिया। शातिरों ने ड्राइवर की शर्ट पर पहले कुछ गंदगी डाल दी। फिर बोले– आपके ऊपर किसी ने उलटी कर दी है।

शर्ट साफ कर लीजिए। जब ड्राइवर गाड़ी रोक कर शर्ट धोने लगा तो शातिरों ने डिक्की तोड़कर रुपए उड़ा दिए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज निकाली है। टप्पेबाजों की पहचान की जा रही है।

एमजी मार्ग सिविल लाइंस में रहने वाले कपड़ा कारोबारी नीरज कौशल ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनका ड्राइवर सुधीर कुमार श्रीवास्तव सपना हैंडलूम्स चौक से 2 लाख 75 हजार रुपए लेकर लौट रहा था। रास्ते में ठगों ने उससे कहा कि शर्ट पर किसी ने उलटी कर दी है। ड्राइवर ने शर्ट देखी तो वह गंदी भी थी।

इसके बाद ड्राइवर सुधीर जीरो रोड बस अड्ड्डे के पास गाड़ी रोक कर शर्ट साफ करने लगा। इसी बीच बदमाशों ने डिक्की से रुपए उड़ा दिए। कोतवाली इंस्पेक्टर वैभव तिवारी का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज से कुछ साक्ष्य मिल गए हैं। टप्पेबाजों की तलाश की जा रही है।

नौकरी के लिए छात्र से प्रवक्ता ने लिए 10 लाख

प्रयागराज में जीआईसी के प्रवक्ता पर दर्ज हुआ केस, एलटी जीआईसी 2018 भर्ती में चयन को कहा था

प्रयागराज। प्रयागराज में एक प्रतियोगी छात्र से नौकरी दिलाने के नाम पर 10 लाख वसूलने का मामला सामने आया है। आरोप राजकीय इंटर कॉलेज के प्रवक्ता पर लगा है। एलटी जीआईसी 2018 भर्ती के नाम पर प्रवक्ता ने छात्र से रुपए ले लिए।

संपूर्ण सूची आने के बाद भी छात्र का चयन नहीं हुआ तो विवाद शुरू हुआ। छात्र का आरोप है कि कई साल दौड़ने के बाद भी प्रवक्ता ने 10 लाख देने से मना कर दिया। साथ ही धमकी देने लगे। मामले में शिवकुटी थाने में FIR हुई है।

गाजीपुर जिले के सैदपुर खानपुर सौना के रहने वाले महेंद्र प्रताप का बेटा मनीष कुमार प्रयागराज के तेलियरगंज थाना शिवकुटी में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है। मनीष कुमार ने पुलिस अधिकारियों को तहरीर देकर बताया कि जहां वह किराए पर रहता था वहीं पास में राजकीय इंटर कॉलेज के प्रवक्ता जगदीश प्रसाद वर्मा रहते थे।

डी.एल.एड. परीक्षा में सामूहिक नकल, एग्जाम कैंसिल

पीएनपी सचिव ने लिया एक्शन, आजमगढ़ का राजेंद्र स्मारक इंटर कश्वलेज डिबार घोषित होगा

प्रयागराज। आजमगढ़ के रानी की सराय स्थित राजेंद्र स्मारक इंटर कॉलेज, सेठवल में 4 दिन पहले सामूहिक नकल कराने का मामला सामने आया था। इस पर एक्शन लेते हुए परीक्षा नियामक प्राधिकारी, प्रयागराज अनिल भूषण चतुर्वेदी ने परीक्षा केंद्र पर हुई तृतीय सेमेस्टर (गणित विषय) की परीक्षा को निरस्त कर दिया है। इतना ही नहीं कॉलेज को डिबार/काली सूची में डाले जाने कि संस्तुति भी सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश से की गई है। अनिल भूषण चतुर्वेदी ने बताया कि उक्त केंद्र की यह परीक्षा पुनः संपादित कराए जाने का निर्णय लिया गया है। शीघ्र ही परीक्षा की तिथि घोषित की जाएगी।

प्रयागराज के पोस्टमॉर्टम हाउस तक पहुंचना आसान नहीं

मेन गेट की सड़क पर भैंस बांधकर कब्जा, दूसरी ओर कीचड़ और गड्ढे बने समस्या

प्रयागराज। प्रयागराज के स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल के पिछले हिस्से में स्थित है पोस्टमार्टम हाउस। यहां पहुंचने के लिए दो रास्ते हैं लेकिन दोनों रास्तों से पहुंचना आसान नहीं है। एक रास्ता अस्पताल परिसर होते हुए है लेकिन यह पिछले 2 वर्षों से नाले के रूप में बदल चुका है।

गेट से लेकर करीब 500 मीटर तक सड़क पर नाले का पानी बह रहा है। सड़क पूरी तरह से गड्ढे के रूप में बदल चुकी है। इधर से ना तो पैदल कोई जा सकता है और ना ही बाइक या कार से।

दूसरी, तरफ सीएवी कॉलेज के बगल से होकर यहां पहुंचती है लेकिन इस रूट पर गेट के सामने से कुछ दूर तक भैंस बांधकर लोग कब्जा कर लिए हैं। पूरे सड़क पर गोबर ही गोबर है।

फंस जाती है शव लेकर आ रही एंबुलेंस

यही कारण है कि पोस्टमार्टम हाउस के पीछे गेट के सामने वाली सड़क का नाम ही गोबर गली पड़ गई है। यहां शव लेकर आने वाली एंबुलेंस की रफ्तार थम जाती है। क्योंकि पूरी सड़क पर स्थानीय लोग भैंस बांधे रहते हैं।

एंबुलेंस चालक किसी तरह उसी बीच से शव लेकर पोस्टमार्टम हाउस तक पहुंचता है। यहां स्थानीय लोग दबंग किस्म के हैं, यही कारण है कि एंबुलेंस आने पर भी यह रास्ता नहीं खाली करते हैं। यदि एंबुलेंस चालक कहता है तो वह मारपीट व गाली–गलौच तक उतर जाते हैं।

जब तत्कालीन कमिश्नर को हटना पड़ा था पीछे

करीब 10 वर्ष पहले प्रयागराज के कमिश्नर रहे बादल चटर्जी ने गोबर गली को कब्जामुक्त कराने का प्रयास किया था लेकिन वह असफल रहे। बादल चटर्जी ने जेसीबी भी भेजी थी लेकिन वहां के कुछ लोगों ने जेसीबी ही नहीं चलने दी। अभी भी वह स्थिति है।

उत्तर मध्य रेलवे G20

निविदा सूचना संख्या :- 11-विद्युत/सा0/प्रयागराज/24-25 दिनांक : 13.08.2024

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत् अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक-04.09.2024 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

निविदा सूचना संख्या ELG-23-2425	कार्य का नाम : प्रयागराज मंडल में 33/11 केवी उप-स्टेशनों का दो वर्षों तक संचालन एवं सुरक्षा।	बिड सिक्योरिटी (रु. में) 295100.00
काम की लागत (रु. में) 29024358.71		कार्य समाप्त करने की समयावधि 24 माह

• निविदा खुलने की तिथि 04.09.2024, समय - 15:00 बजे।

नोट : (1) उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज़ के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है 1452/24 (C)

@CPRONCR North central railways @cproncrly CPRONCR www.ncrindianrailways.gov.in

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट में किया ध्वजारोहण

देश को आगे बढ़ाने के लिये शिक्षित होना बहुत ही आवश्यक-जिलाधिकारी
देश को आजादी दिलाने वाले क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करें-जिलाधिकारी
मेहनत और कठिनाई से मिली हुई सफलता को हमें कभी भी भुलना नही चाहिये-मुख्य विकास अधिकारी
कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी ने वीरगति प्राप्त सैनिकों के आश्रितों/वारिसों को किया सम्मानित

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सरकारी कार्यालयों, अर्द्धशासकीय कार्यालयों, स्वैच्छिक संस्थानों एवं स्कूल कालेजों में ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान के कार्यक्रम आयोजित किये गये है एवं देश के अमर शहीदों की शहादत को याद करते हुये उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट के प्रांगण में ध्वजारोहण किया और उसके उपरान्त राष्ट्रगान का भावपूर्ण गायन किया गया। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी संजीव रंजन, अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, मुख्य राजस्व अधिकारी राकेश कुमार गुप्ता ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ने जनपदवासियों, अधिकारियों, कर्मचारियों व अधिवक्ताओं को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी और देश के नाम शहीद हुये अमर शहीदों श्रद्धा सुमन अर्पित किये। उन्होने कहा कि ब्रिटिश राज में देश की जनता पर काफी अत्याचार किए गए। ब्रिटिश हुकूमत के जुल्मों से देश की जनता को छुटकारा दिलाने के लिए सैंकड़ों स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी। ऐसे में यह दिन उन महान क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने का भी है, जिन्होंने देश को आजादी दिलाने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। आजादी के बाद आज तक हमने जो विकास का सफर तय किया है इसमें समाज के सभी वर्गो का सहयोग प्राप्त हुआ है। उन्होने कहा कि हमें अपने कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहना चाहिये। राष्ट्र के प्रति हमारे मूलभूत कर्तव्यों के दायित्व निर्वहन में जो व्यक्ति जहां भी हो वह चाहे शासकीय सेवा या आम नागरिक हो को पूरी क्षमता, निष्ठा व ईमानदारी से दायित्वों का निर्वहन करना चाहिये। देश व समाज के हित में दी गयी जिम्मेदारी व कार्य को ईमानदारी से करने का संकल्प लें। स्वतंत्रता दिवस का पावन अवसर हमें संकल्प लेने के लिये प्रेरित करता है कि हम स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शो एवं मूल्यों को अक्षुण बनाये रखें। उन्होने कहा कि अपने हक के लिये हमे लड़ना पड़ता है, बिना लड़े कोई भी अधिकार नही मिलता है। देश को आगे बढ़ाने के लिये शिक्षित होना बहुत ही आवश्यक है, यदि आप शिक्षित होगें तो आपका परिवार भी शिक्षित होगा। उन्होने कहा कि पिछले 10 महीनों में लाखों लम्बित राजस्व वादों का निस्तारण किया गया है जिसमें सभी का सहयोग

प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी नवनीत सेहारा ने कहा कि जो सफलता हमें मेहनत और कठिनाई से मिलती है उसे हमें कभी भी भुलना नही चाहिये। देश को आजाद कराने में बहुत से स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अपने प्राणों की आहूति दी है, उन्ही की याद में स्वतंत्रता दिवस पर्व मनाया जाता है। उन्होने कहा कि हम जिस पद पर बैठे है उस पद को ईमानदारी एवं निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। उन्होने सभी सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों का आवाहन किया कि यह देश तभी विकसित होगा जब हम सभी को जोड़ कर चलें और केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ सभी पात्र लाभार्थियों को दें तथा योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य करें।

कार्यक्रम के दौरान स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अमर शहीदों एवं बलिदानियों के प्रति अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, मुख्य राजस्व अधिकारी राकेश कुमार गुप्ता, अतिरिक्त उपजिलाधिकारी देश दीपक सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता चिन्तामणि पाण्डेय, विवेक उपाध्याय सहित अन्य सम्भ्रान्त लोगों द्वारा विचार व्यक्त किये गये। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ने वीरगति प्राप्त सैनिकों के आश्रितोंध्वारिसों को अंगवस्त्रम् एवं उपहार देकर सम्मानित किया। राजकीय बालिका इण्टर कालेज की छात्राओं द्वारा मनमोहक राष्ट्रभक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। राजकीय बालिका इण्टर कालेज की छात्राओं व अध्यापकों को भी उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान राजकीय बालिका इण्टर कालेज की छात्रा ने अपने हाथों से जिलाधिकारी की तस्वीर बनाकर जिलाधिकारी को भेंट की। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट के अधिकारीध कर्मचारी, अधिवक्तागण व वरिष्ठ नागरिकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एल0बी0सी0 पंकज कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

गङ्गानाथ झा परिसर में धूमधाम से मना स्वतन्त्रता दिवस

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर प्रयागराज में स्वतन्त्रता दिवस समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस पुनीत अवसर पर उन्होंने अपने सम्बोधन में देश की गौरवगाथा का उल्लेख करते हुए उपस्थित छात्र–छात्राओं में राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार किया। देश की वर्तमान स्थिति से सभी को अवगत कराते हुए उन्होंने देश के समक्ष आने वाली चुनौतियों का वर्णन करते हुये सभी से राष्ट्र के लिए बढ़चढ़कर योगदान देने का आह्वान किया। अपने ओजस्वी भाषण के द्वारा उन्होंने हमारे देश की गौरवशाली परम्पराओं से अवगत कराते हुए सभी छात्र–छात्राओं में

राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार किया। विभिन्न विद्यालयों, शैक्षित संस्थाओं एवं सामाजित संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने परिसर में आयोजित स्वतन्त्रता दिवस के इस कार्यक्रम में पूर्ण उत्साह के साथ भाग लिया। परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में इस अवसर पर परिसर से अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद जी की प्रतिमा तक पदचालन किया गया। बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं के साथ परिसर के सभी सदस्य भारत माता की जय एवं वन्दे मातरम् का उद्घोष करते हुए अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा के समक्ष विनयावनत हुए। इस अवसर पर प्रो. देवदत्त सरोदे, प्रो. मनोज कुमार मिश्र, डॉ. सुरेश पाण्डेय, डा. रामरूप, डॉ. मोनाली दास, श्री राजेशकान्त तिवारी, अञ्जनी कुमार पुण्डरीक, श्री संजय मिश्र तथा परिसरीय समस्त कर्मचारी गण तथा शोधच्छात्र समुपस्थित रहे।

वरिष्ठ प्रचार निरीक्षक को मिला विशेष पुरस्कार

प्रयागराज। श्री अनुज कुमार राजपूत, वरिष्ठ प्रचार निरीक्षक

को 78 वें स्वतन्त्रता दिवस, के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य के लिए मण्डल रेल प्रबन्धक द्वारा विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

शहर समता विचार मंच (महिला) बिजनौर इकाई की अगस्त माह की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

बिजनौर। शहर समता विचार मंच महिला गोष्ठी बिजनौर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी अर्चना चौहान व ऋतु बाला रस्तोगी के संयोजन में एक शाम देश के नाम और सावन विषय पर आयोजित की गई , डा०पूनम चौहान की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डा०सांरगा असीम तथा विशिष्ट अतिथि डा० नीरज रहीं।

यह काव्य गोष्ठी सायं 5 बजे से 6रू30 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही डा० पूनम चौहान द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति अर्चना चौहान द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन सुमन चौधरी सुमन ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डा० आभा माहेश्वरी,ऋतुबाला रस्तोगी, डा०पूनम चौहान, चंद्रकला भागीरथी ,अर्चना चौहान, अंजलि गोयल श्अंजूश ,सुमन चौधरी, , डॉक्टर सारंग देश असीम,ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दियें ।अध्यक्षीय सम्बोधन के पश्चात धन्यवाद ज्ञापन बिजनौर इकाई की जिलाध्यक्ष ऋतु बाला रस्तोगी ने किया ।

ध्वजारोहण के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित

प्रयागराज। सिटिजन गर्ल्स कॉलेज बलराम नगर नैनी में आज स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रोफेसर राजाराम यादव जी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी मिलकर भारत की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाने का संकल्प लें। इस अवसर पर उन्होंने वीर शहीदों

को नमन करते हुए गीत श्फूलों के हार उनको जो साथ विजय लाए ,आंसू के फूल उनको जो लौट के ना आए श गाकर स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। विशिष्ट अतिथि क्षेत्र के पार्षद श्री रणविजय सिंह ने कहा कि हम युवाओं का दायित्व है कि जिस स्वतंत्रता को पाने के लिए हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिया उसे हम बनाए रखें। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, छात्राएं और क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों ने भाग लिया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर मधुलिका सिंह ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। संचालन छात्रा कल्पना ने की।

संस्कृत एवं भारतीय ज्ञान परम्परा के सम्बन्ध पर विचार गोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर प्रयागराज संस्कृत सप्ताह महोत्सव के अन्तर्गत संस्कृत एवं भारतीय ज्ञान परम्परा के सम्बन्ध पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रयागराज के ख्यातिलब्ध साहित्यकार एवं शिक्षाविदों ने भाग ग्रहण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की । अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रो. देवदत्त सरोदे ने संस्कृत भाषा को भारतीय ज्ञान परम्परा की भाषा बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. के.वी.पाण्डेय, सारस्वतातिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. हरिदत्त शर्मा एवं विशिष्टातिथि मोतीलाल नेहरू इंजीनियरिंग कॉलेज के आचार्य एवं अधिष्ठाता प्रो. लक्ष्मीकान्त मिश्र रहे। कार्यक्रम के सारस्वत अतिथि प्रो. हरिदत्त शर्मा ने विभिन्न विद्वानों द्वारा विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में संस्कृत भाषा के समावेश पर प्रकाश डाला। अपने सारगर्भित वक्तव्य में उन्होने प्रो. राजेन्द्र मिश्र जैसे मूर्धन्य विद्वानों का उल्लेख किया। संस्कृत भाषा को विभिन्न शोधों में सम्मिलित करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। उन्होंने शोध की दिशा साहित्य से बदलकर विज्ञान के क्षेत्र में करने पर विशेष बल दिया। यथा संस्कृत भाषा में गणित, भौतिक विज्ञान, आयुर्वेद, भूगोल आदि क्षेत्रों में विशेषतः संस्कृत में कार्य करने की आवश्यकता बताई। मुख्य अतिथि प्रो. के.वी.पाण्डेय ने संस्कृत भाषा को भारतीय ज्ञान परम्परा के उन्नायक के रूप में प्रतिस्थापित करते हुये भाषा की समृद्धता से परिचित कराया। अपने उद्बोधन में उन्होंने अंग्रेजो के द्वारा संस्कृत को नष्ट कर हमें हमारी संस्कृति से दूर कर देने की बात की। साथ ही उन्होने संस्कृत भाषा के प्रति उदासीनता पर चिन्ता व्यक्त

करते हुए जन जन तक पहुँचाने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने प्राचीन भारत में ज्ञान परम्परा से परिचित कराने के लिए संस्कृत दिवस के आयोजन को अपरिहार्य एवं परम लाभदायक बताया। उन्होंने संस्कृत को पुनरू विश्व में स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि संस्कृत जीवित न रही तो संस्कृति का भी जीवित रहना सम्भव नहीं होगा तथा यदि भारतीय संस्कृति न जीवित रही तो विश्व संस्कृति एवं सभ्यता भी समाप्त हो जायेगी।

धन्यवाद ज्ञापन सुश्री शुश्री दास एवं कार्यक्रम का संचालन डा. मनीष जुगरान ने किया । इस अवसर पर प्रो. देवदत्त सरोदे, डॉ. सुरेश पाण्डेय, डा. रामरूप,डॉ. मोनाली दास, श्री राजेशकान्त तिवारी, श्री अञ्जनी कुमार पुण्डरीक, श्री संजय मिश्र तथा परिसरीय अन्य कर्मचारी गण तथा शोधच्छात्र समुपस्थित रहे।

आजादी के हर नायक का बार बार अभिनंदन है अरूण कुमार शुक्ल

प्रतापगढ़। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर जगदीश नारायण इंटर कॉलेज ढिगवस में प्रभात फेरी निकाली गई तत्पश्चात ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान हुआ फिर विद्यालय के बालक बालिकाओं ने पहले से अभ्यास किए गए नाटिकाओं कौवाली, राष्ट्रीय गीत, नृत्य व

भाषण का मंचन कियास स्वतन्त्रता दिवस समारोह की अध्यक्षता प्रधानाचार्य श्री अरुण कुमार शुक्ला द्वारा और संचालन शिक्षक धीरेंद्र कुमार यादव द्वारा किया गया स समारोह में आए हुए अतिथियों पूर्व प्रधानाचार्य राम कृपाल मिश्रा, पूर्व शिक्षक शिव शंकर दुबे , शिवकुमार खरे , के के दुबे तथा पूर्व शिक्षिका रेखा मिश्रा का प्रधानाचार्य तथा अन्य शिक्षकों द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया स इस अवसर पर क्षेत्र व विद्यालय परिवार के पवन कुमार मिश्रा, अनिल कुमार तिवारी , धीरेंद्र कुमार यादव ,श्रीमती नीलिमा कुमारी, श्रीमती वंदना त्रिपाठी, श्रीमती सुहानी, वैभव मिश्रा, पार्थ मिश्रा अजीत सिंह व विद्यालय के अध्ययनरत छात्र छात्राएं उपस्थित रहेस अपने वक्ताक्रम में पूर्व प्रधानाचार्य राम कृपाल मिश्र द्वारा बच्चों को शुभाशीष देकर स्वतंत्रता दिवस और स्वतन्त्रता सेनानियों के बारे में तथ्यपरक व ज्ञानवर्धक बातें बताई गई। अन्त में प्रधानाचार्य अरुण कुमार शुक्ल ने समारोह में पधारे हुए अतिथियों का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन करते हुए समारोह का समापन किया।

चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत–प्रोत नृत्य, गीत, नाटिका और कविता पाठ के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

मुख्य अतिथि अध्यक्ष कायस्थ पाठशाला डॉक्टर सुशील सिन्हा ने ध्वजारोहण किया और NAAC में B++ प्राप्त करने पर महाविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों और कर्मचारियों को बधाई दी उन्होंने

कहा, आज का दिन हमें उन वीर सपूतों की याद दिलाता है जिन्होंने अपनी जान की बाजी लगाकर देश को आजाद कराया। हमें उनके बलिदान को कभी नहीं भूलना चाहिए।

विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खघ्रे ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि, स्वतंत्रता दिवस का उत्सव सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह अवसर हमें देशभक्ति की भावना को और प्रबल करने का संदेश देता है।

इस अवसर पर आयोजित देशभक्ति नृत्य और गीत ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों व शिक्षकों ने भी इस अवसर पर कार्यक्रमों की प्रस्तुति की जिससे सभागार में देशभक्ति का माहौल छा गया।

झलकारी बाई पर हुई नाटिका ने दर्शकों का मन मोह लिया कार्यक्रम की समन्वयक डॉक्टर अर्चना और संचालन अनुश्री पांडे ने किया ।कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर राष्ट्रगान गाया और देश की अखंडता एवं एकता को बनाए रखने की शपथ ली।

कार्यक्रम में शिक्षक , महाविद्यालय के कर्मचारी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभी ने आयोजन की भूरि–भूरि प्रशंसा की।

सी एम पी डिग्री कॉलेज को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) से मिला 'बी++' ग्रेड

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय सी एम पी डिग्री कॉलेज को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा 'बी' ग्रेड प्राप्त हुआ है। यह परिणाम महाविद्यालय की गुणवत्ता शिक्षा, अनुसंधान और आधारभूत संरचना में उत्कृष्टता का प्रतीक है।

विदित हो कि नैक पीयर टीम ने दिनांक 12 से 13 अगस्त 2024 तक महाविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रों जैसे शैक्षिक संसाधन, शिक्षण विधियां और प्रशासनिक कार्यप्रणाली का गहन मूल्यांकन किया। साथ ही महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं समेत पुरा छात्रों और अभिभावकों से भी बातचीत की। महाविद्यालय की आई क्यू ए सी की समन्वयक प्रो सरिता श्रीवास्तव ने बताया कि नैक टीम ने महाविद्यालय के उत्कृष्ट क्षेत्रों में आरोग्यम और सीएमपी– लाइव व एलएमएस

की काफी सराहना की। महाविद्यालय की नैक की समन्वयक प्रो बबिता अग्रवाल और सह–समन्वयक डॉ गोविन्द गौरव ने इस सफलता का श्रेय नैक कोर कमिटी के सदस्यों सहित सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों के समेकित प्रयास को दिया। उन्होंने कहा कि यदि महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति लागू होती तो हम 'ए' ग्रेड भी प्राप्त कर सकते थे।

महाविद्यालय के प्राचार्य ने इस उपलब्धि पर समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को बधाई दी और इसे महाविद्यालय के सतत् प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि यह सफलता हमें भविष्य में और भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में महाविद्यालय शिक्षण और अनुसंधान को बेहतर बनाने के साथ ही परिसर में विद्यार्थियों के लिए आधुनिक सुविधाओं के विस्तार पर भी कार्य करेगा।

नैक में महाविद्यालय के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर शासी निकाय के अध्यक्ष डॉ सुशील सिन्हा ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में महाविद्यालाया परिवार को बधाई दी और सफाई कर्मियों और मालियों को उनके विशिष्ट योगदान पर प्रशस्ति चिन्ह के साथ एक हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान।

भारत स्वाभिमान जिला कार्यालय प्रतापगढ़ पर झंडारोहण के साथ राष्ट्रगान किया

प्रतापगढ़। 78वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर पतंजलि योग समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश के राज्य प्रभारी दुर्गेश योगी जी एवम भारत स्वाभिमान के मुख्य संरक्षक डाक्टर आर.के.सिंह जी ने भारत स्वाभिमान जिला कार्यालय प्रतापगढ़ पर झंडारोहण कर सभी पांचों संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ राष्ट्रगान किया सइसके पश्चात राज्य प्रभारी ने पांचों संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ आने वाले प्रमुख त्योहारों व पर्वों पर संगठन द्वारा चलाए जा रहे उपक्रमों गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए दिशानिर्देश दिए सडॉ आर के सिंह ने बताया कि योग प्राचीन भारतीय पद्धति है जिसका

प्रयोग हर कालक्रम में होता रहा है सयोग से कर्मेंद्रियों व ज्ञानेंद्रियों को सक्रिय रखा जा सकता हैस आज की युवा पीढ़ी योग नहीं समझती जिसका दुष्परिणाम है कि बच्चे कम उम्र में ही गंभीर रोगों से ग्रस्त हो रहे हैं सजिला मंत्री धीरज उपाध्याय ने कार्यक्रम का विधिवत सञ्चालन कियास कार्यक्रम में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट ,महिला पतंजलि योग समिति,युवा भारत, पतंजलि किसान समिति के कार्यकर्ता गण धीरेंद्र , यजुवेंद्र , इंद्रभान , बहन बंदना जी, चंद्र मणि जी, ओम प्रकाश , राय साहब, मेनका आदि की उपस्थिति रही।

जनपद में धूमधाम से मनाया गया 78वां स्वतन्त्रता दिवस

प्रतापगढ़। 78वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जनपद के सभी विद्यालयों, सरकारी गैरसरकारी संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं के कार्यालयों पर राष्ट्रध्वज तिरंगा फहराया गया और सामूहिक राष्ट्रगान हुआ सइसी क्रम में आरोग्य भारती शाखा प्रतापगढ, अंतर्राष्ट्रीय श्री राम नाम लेखन बैंक प्रतापगढ़, लायन्स क्लब प्रतापगढ़, वियर ए हैण्ड ट्रस्ट, मां आशीर्वाद सेवा संस्थान, भारतीय ग्रामीण युवा विकास संस्थान के कार्यालय पर भी संस्था प्रमुखों ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान कियास विगत कुछ वर्षों से राष्ट्रध्वज और राष्ट्रीय पर्वों को लेकर जन सामान्य में अत्यन्त उत्साह देखने को मिल रहा हैस ऐसा ही उत्साह इस बार 78वें स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर जनपद के कोने कोने में सभी प्रमुख स्थानों घरों पर देखने को मिलास लोग जितने हर्ष के साथ राष्ट्रीय पर्वों को अपने दैनिक जीवन में शामिल करते हुए मना रहे हैं और अपनी संतानों को भी ऐसे ही पर्वों को मनाने की शिक्षा दे रहे हैं स प्रतीत होता है कि वास्तव में राम राज्य की संकल्पना साकार हो रही है।

सम्पादकीय.....

नेट में नौनिहाल

हर अभिभावक इस बात को लेकर फिक्रमंद रहता है कि उनके बच्चे घंटों स्मार्टफोन में घुसे रहते हैं। उनके उलाहने पर दलील होती है कि ऑनलाइन पढ़ाई का दबाव है। खासकर कोरोना संकट के बाद छात्रों की मोबाइल के उपयोग की लत में भारी इजाफा हुआ है। जिस मोबाइल से आम अभिभावक बच्चों को दूर रखना चाहते थे, महामारी ने छात्रों को बचाव के लिये तार्किक आधार दे दिया कि ऑनलाइन क्लास चल रही है। लेकिन ज्यादातर छात्र अभिभावकों की नसीहत पर कान नहीं देते। उल्टे टोकने–टाकने पर कई हिंसक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। बहरहाल, अभिभावकों की चिंता की पुष्टि अब संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक व सांस्कृतिक संगठन यानी यूनेस्को ने कर दी है। यूनेस्को की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि मोबाइल व स्मार्टफोन के नजदीक रहने से छात्रों का ध्यान भंग होता है। उनकी एकाग्रता बाधित होती है। इतना ही नहीं उनकी सीखने की प्रवृत्ति पर नकारात्मक असर पड़ता है। यूनेस्को ने तो यहां तक चिंता जता दी है कि यदि छात्र एक निर्धारित सीमा से अधिक समय तक स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं तो शैक्षिक प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है। निस्संदेह, मौजूदा दौर में मोबाइल फोन व कंप्यूटर की अनदेखी संभव नहीं है। लेकिन कमोबेश स्थिति वही है कि सब्जी काटने वाला चाकू लापरवाही से प्रयोग करने से आपको चोट भी पहुंचा सकता है। दरअसल,इन आधुनिक गैजेट्स का अधिक उपयोग लाभ के बजाय हानि पहुंचाने लगता है। यही वजह है कि आधुनिक माने जाने वाले कई पश्चिमी देशों में स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर बैन लगाया गया है। विडंबना यह है कि आज महानगरों में युवाओं की आंख मोबाइल देखते हुए खुलती है। साथ दिन का एक लंबा समय मोबाइल देखने में जाया किया जाता है। यह स्थिति बेहद घातक है और इसके नशे की लत कई तरह की मानसिक व शारीरिक बीमारियां पैदा कर रही है। जो कालांतर एक मनोरोग का वाहक भी बन सकती हैं। दरअसल, हमारे जीवन में बढ़ते तकनीकी संजाल में युवा पीढ़ी का फंसते जाना समाज में एक असहनशील पीढ़ी को जन्म दे रहा है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे घातक खेलों की लत में छात्र फंसे पाये गए, जो उन्हें आत्महत्या तक के लिये उकसाते रहे हैं। उनकी स्थिति किसी नशे में लिप्त होने जैसी हो जाती है। मनोवैज्ञानिक मोबाइल फोन की लत को छात्रों के व्यवहार में बदलाव का कारण भी बता रहे हैं। इससे जहां उनकी सामान्य पढ़ाई–लिखाई बाधित हो रही है, वहीं उनकी ज्ञान अर्जन की प्रवृत्ति में भी उदासीनता देखी गई है। इतना ही नहीं, इस लत को छुड़ाने की कोशिश में उनका आक्रामक व्यवहार सामने आता है। दरअसल, इसकी लत का असर उनके स्वास्थ्य पर भी देखा जा रहा है। एक ओर जहां उनकी खान–पान की आदतों में बदलाव नजर आ रहा है, वहीं शारीरिक निष्क्रियता बढ़ती जा रही है। निश्चित रूप से आधुनिक तकनीकों ने मानव जीवन में व्यापक बदलाव किया है, लेकिन तकनीक का हमारे जीवन में हस्तक्षेप एक सीमा तक ही स्वीकार किया जाना चाहिए। जैसे कर्णफूल कानों का सौंदर्य तो होते हैं, लेकिन यदि वे कानों को जख्मी करने लगें तो उनकी उपयोगिता निरर्थक हो जाती है। निस्संदेह, तकनीक वही अच्छी हो सकती है जो व्यक्ति के शारारिक व मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि करे। तकनीक मनुष्य की सुविधा और जरूरतों को ध्यान में रखकर ही ईजाद की जाती है। तकनीक हमारी मार्गदर्शक तो हो सकती हैं मगर हमारा नियंत्रण करने वाली नहीं होनी चाहिये। अभिभावकों व शिक्षकों का दायित्व बनता है कि वे छात्रों को अपने बहुमूल्य समय को बर्बाद करने से रोकें। छात्रों की शारीरिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने से उनका शारीरिक व मानसिक विकास संभव है। निस्संदेह, यह बड़ा वैश्विक संकट है और इसके निदान की कोशिश भी वैश्विक स्तर पर मिलजुलकर की जानी चाहिए। यूनेस्को की हालिया रिपोर्ट के मद्देनजर सरकारों व नीति–नियंताओं को स्मार्टफोन के दुरुपयोग को रोकने के लिये कड़े नियम बनाने चाहिए। जिसमें समाज, सरकार, शिक्षकों व अभिभावकों की निर्णायक भूमिका हो सकती है।

क्या गिरता जा रहा है मोदी का इकबाल

अरविन्द मोहन

प्रधानमंत्री ने चुनाव के पहले से चार सौ पार के नारे के साथ अपने मंत्रियों से नई सरकार के लिए सौ दिन का एजेंडा तय करने को भी कहा था। अभी सौ दिन पूरे नहीं हुए हैं लेकिन मोदी जी का इकबाल सिमटता दिखता है।

विपक्ष अभी तक सरकार या इसके मुखिया नरेंद्र मोदी को किसी सवाल पर मजबूती से घेरने में सफल नहीं हुआ है लेकिन इसके बावजूद मोदी जी का इकबाल लोक सभा चुनाव के बाद से अचानक घटता दिख रहा है। उनकी और पार्टी में उनके समर्थकोंध्प्रवक्ताओं की सारी ऊर्जा इसी बात पर खर्च होती लगती है कि हमने तिबारा सरकार बनाकर कोई ऐतिहासिक काम किया है और ऐसा कोई दूसरा नहीं कर पाया है। और इस पूरे कथन का मतलब यही है कि हमारा इकबाल बुलंद है। प्रधानमंत्री ने चुनाव के पहले से चार सौ पार के नारे के साथ अपने मंत्रियों से नई सरकार के लिए सौ दिन का एजेंडा तय करने को भी कहा था। अभी सौ दिन पूरे नहीं हुए हैं लेकिन मोदी जी का इकबाल सिमटता दिखता है। इसे देखने के लिए नई लोक सभा के कामकाज और उसमें अचानक आक्रामक हुए विपक्ष के कामकाज से ज्यादा भाजपा, सरकार और बाहर के कामकाज को देखना चाहिए। लोक सभा चुनाव के नतीजों में ताकत बढ़ने से राहुल गांधी और विपक्ष का उत्साह निश्चित रूप से बढ़ा है लेकिन असली कमजोरी दूसरी तरफ दिखाई देती है। एक राहुल के भाषण में प्रधानमंत्री समेत सात–आठ मंत्री अगर सीट से उठाकर दखल देने को बाध्य हों तो यह उनकी कमजोरी है। संसद में विपक्ष के तेवर बदले हैं, मीडिया की बहसों में विपक्षी प्रवक्ताओं का ही नहीं एंकरध्एंकरनियों का व्यवहार भी बदला है। लेकिन यह कोई बड़ी बात नहीं है। बड़ी बात है संघ प्रमुख से लेकर विद्यार्थी परिषद तक का व्यवहार बदलना जिसने नीट परीक्षा की गड़बड़ी पर सीधे धर्मेन्द्र प्रधान से इस्तीफा मांगने में हिचक नहीं दिखाई। संघ प्रमुख और संघ के दूसरे लोगों के बयान की चर्चा तो अलग लेख ही लिखा गया है और लिखा जाएगा और भाजपा में आम राय है कि लोक सभा चुनाव में उसे संघ के लोगों का पूरा समर्थन नहीं मिला। इसकी बहुत वजहें हैं और मोहन भागवत के बयान भी उसकी तरफ इशारा कर रहे हैं। पर बीच चुनाव में भाजपा को संघ के समर्थन की जरूरत न होने का दावा करने वाले अध्यक्ष जेपी नड्डा के केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री बनने के बाद यह साफ लगा कि भाजपा नया अध्यक्ष लाने वाली है। पर जैसे ही जेपी का और नए नामों के प्रति पार्टी के विभिन्न धड़ों का रुख सामने आया पार्टी ने कदम वापस खींच लिए हैं। ऐसा मोदी–अमित शाह के राज में पहले नहीं होता था। लेकिन इस जोड़ी के इकबाल में इससे भी ज्यादा कमी उत्तर प्रदेश मामले में दिखी जहां पार्टी को सबसे बुरी पराजय का मुंह देखना पड़ा था। लक्षण साफ लग रहे थे कि योगी की विदाई होने वाली है। दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक उनकी बुलाई बैठकों में भी नहीं जाते थे, साथ–साथ घर होने पर भी मिलना–जुलना बंद था। आदित्यनाथ ने भी कुछ दांव–पेंच चले लेकिन जब कांवड़ यात्रा के समय खाने–पीने की दूकानों पर मालिक के नाम की तख्ती लगाने का आदेश दिया(और जल्द ही यह एक जिले से बढ़कर पूरे प्रदेश में और उत्तराखंड तथा मध्य प्रदेश भी पहुंच गया) केन्द्रीय नेतृत्व को और फिर मौर्य और पाठक को सांप सूंघ गया। वक्फ कानून में बदलाव पर भी पार्टी बहुत उछल–कूद कर रही थी लेकिन कानून का प्रारूप पेश करते समय तक उसके पांव कांपने लगे और बिल को एक कमेटी के हवाले कर हाथ झाड़ लिया गया। सीएए और जनसंख्या रजिस्टर की बात तो पार्टी कब का भूल सी गई है, अब लगता है वह जनगणना भी नहीं कराएगी क्योंकि उसे हर आंकड़े से डर लगने लगा है। जीएसटी वसूली बढ़ती दिख रही थी तो उसके आंकड़े भी जारी करने पर रोक लगा दी गई। लग रहा है कि नेता ही नहीं पार्टी समझ ही नहीं पा रही है कि उसे जाति के पक्ष में खड़ा होना है या सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के पुराने राग को अलापना है। यह बात कांवड़ यात्रा और वक्फ के मामले से भी ज्यादा दलित आदिवासी आरक्षण पर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सरकार के व्यवहार से जाहिर हुआ। कैबिनेट ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर करने का निश्चय किया। क्रीमी लेयर वाली बात छोड़ दें तो अनुसूचित जातियों और जनजातियों में नया वर्गीकरण करके आरक्षण का लाभ अति पिछड़े जमातों को देने का फैसला स्वागत योग्य है, लेकिन कांग्रेस और विपक्ष द्वारा जाति जनगणना कराने की मांग के साथ जाति के सवाल को प्राथमिकता देने से (हालांकि इस फैसले पर कांग्रेस ने कोई राय नहीं दी है और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने इसे लागू करने की घोषणा की है) भाजपा की घिग्घी बंध गई लगती है। जब रोहित वेमुला की आत्महत्या और कई जगहों पर दलितों की सार्वजनिक पिटाई के सवाल पर दलितों का पढ़ा–लिखा और अम्बेडकरवादी खेमा भाजपा के एकदम खिलाफ था तब भी भाजपा आज जितना नहीं डरी थी लेकिन उत्तर प्रदेश में बसपाध्मायावती का कारतूस फिस्स होने के बाद वह परेशान है। शासन का इकबाल जम्मू–कश्मीर के बिगड़ते हालात और वहां सितंबर तक चुनाव कराने की बाध्यता से और गिर रहा है। जून के बाद से शुरू हुए आतंकी हमलों का क्रम अभी जारी है और उन्होंने जम्मू को नया निशाना बनाया है। उधर सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति शासन लागू होने के पाच साल पूरे होने पर सितंबर तक चुनाव कराने का फैसला भी दिया है। कई राज्यों में विधान सभा के उपचुनाव हैं–अकेले उत्तर प्रदेश में दस सीटों पर चुनाव है। फिर दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव होने हैं। लोक सभा चुनाव से दिखे लक्षण बताते हैं कि इन राज्यों में भाजपा की स्थिति ज्यादा ही खराब है।

अभिव्यक्ति के अधिकार की रक्षा का सवाल

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने प्रसारण सेवा (विनियमन) विध ेयक, 2024 के मसौदे को वापस लेने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने यह कदम तब उठाया है, जब संसद का मानसून सत्र समाप्त हो गया है और अब देश जल्द ही विधानसभा चुनावों की हलचलों का साक्षी बनने जा रहा है। संसद के हाल में खत्म हुए मानसून सत्र में सरकार ने अपना बजट भी पेश किया था, लेकिन इसी सत्र में वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम सरकार पारित नहीं करवा पाई। विपक्ष ने तो इस विधेयक का विरोध किया ही था, सरकार में शामिल भाजपा के दूसरे साथी दल इस पर सहमत नहीं दिखे और अंततरू यह संसदीय समिति को भेज दिया गया। आसान शब्दों मे कहा जाए तो पिछली लोकसभा की तरह इस बार श्री मोदी अपनी मनमानी नहीं चला सके। प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक पर भी सरकार ने विपक्ष के साथ संभावित टकराव को महसूस कर लिया था और हो सकता है इसी वजह से इस विधेयक के मसौदे को फिलहाल वापस ले लिया गया है। दरअसल यह विधेयक प्रारंभ से ही विवादों में रहा है। इसे अभिव्यक्ति के संविधान प्रदत्त अधि ाकार को कुचलने की तरह देखा जा रहा था। अपनी मनमानी को पारदर्शिता के आवरण में दिखाते हुए सरकार ने बताया था कि इस विधेयक के मसौदे को हितध ारकों और आम जनता की टिप्पणियों के लिए 10 नवंबर 2023 को सार्वजनिक किया गया था। बिल का दूसरा मसौदा जुलाई 2024 में तैयार किया गया था। लेकिन मसौदे को विपक्ष ने सरकार पर आरोप लगाए थे कि संसद में रखे जाने से पहले ही इसे कुछ चुनिंदा हितधारकों के बीच चुपके से लीक किया गया। टीएमसी सांसद जवाहर सरकार ने भी राज्यसभा में यह मामला उठाया था। बता दें कि इस प्रस्तावित विधेयक को यू–ट्यूब, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन जैसे ऑनलाइन माध्यमों को नियमित करने वाला बताया जा रहा था। लेकिन माना जा रहा था कि यह अधिनियम वैकल्पिक मीडिया के दमन की एक और कोशिश है। हाल में संपन्न लोकसभा चुनावों के परिणाम आने के बाद कुछेक नामी–गिरामी पत्रकारों ने अपना मंतव्य सामने रखा था कि इस वैकल्पिक मीडिया के कारण श्री मोदी और भाजपा की छवि को धक्का पहुंचा है, क्योंकि मुख्य धारा के समाचार चौनलों में तो भाजपा का ही गुणगान होता रहा, लेकिन जनता ने उसकी जगह वैकल्पिक मीडिया को तरजीह देना शुरु कर दिया। सोशल मीडिया प्लेटफार्म के इन चौनलों पर हो रही सियासी चर्चाओं को करोड़ों दर्शक सुनते रहे। इस वजह से भाजपा को मनमाफिक नतीजे नहीं मिले। शायद इसी वजह से वैकल्पिक मीडिया पर अंकुश लगाने का प्रयास भाजपा ने किया। प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक के साथ ही डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023, प्रेस पंजीकरण अधिनियम, 2023 और आईटी संशोधन अधि ानियम जैसे कानूनों को भी मीडिया पर शिकंजा कसने वाला बताया जाता रहा है। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, इंडियन जर्नलिस्ट यूनियन, दिल्ली यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, डिजीपब न्यूज फाउंडेशन, इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन, वर्किंग न्यूज कैमरामेन एसोसिएशन, इंडियन वुमेन प्रेस कॉर्प्स, कोगिटो मीडिया फाउंडेशन और मुंबई, कोलकाता, तिरुवनंतपुरम और चंडीगढ़ के प्रेस क्लब ने 28 मई को इस संबंध में बैठक बुलाकर प्रस्तावित कानूनों के खिलाफ विरोध जताया था। हालांकि इस विरोध के बावजूद प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक के मसौदे को कुछ लोगों के पास टिप्पणियों के लिए भेजा गया था, सूत्रों के मुताबिक अब इन लोगों से मसौदे को वापस मांग लिया गया है। लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस विध ेयक के मसौदे के जिन बिंदुओं पर विवाद था, उन पर अब सरकार क्या रुख अपनाएगी। जैसे विधेयक में इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर्स और यूट्यूबर्स को उनके यूजरबेस के आधार पर श्डिजिटल न्यूज ब्रॉडकास्टर्सश में दर्शाया जा रहा था। इसका मतलब ये होता कि इन्फ्लुएंसर्स और यूट्यूबर्स को अपने कंटेंट के लिए सरकार से रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होता। इंडिविजुअल कन्टेंट क्रिएटर्स यानी अकेले अपने वीडियो बनाकर उन्हें प्रसारित करने वाले और डिजिटल पब्लिशर्स का कहना था कि विधेयक के जरिए सरकार उन पर एक तरह से सेंसरशिप लगा रही है। विधेयक में एक प्रावधान टू–टियर सेल्फ रेगुलेशन सिस्टम का भी था। कंटेंट क्रिएटर्स को अन्य बातों के अलावा, कंटेंट को पूर्व–प्रमाणित करने के लिए कंटेंट इवैल्यूएशन कमिटी यानी सीईसी गठित करने की आवश्यकता होती। मतलब यह कि यूट्यूब या इंस्टाग्राम पर कुछ भी प्रसारित करने से पहले उसे परखने के लिए एक समिति बनानी जरूरी होगी। बड़े मीडिया समूहों में इस तरह की व्यवस्था हो सकती है, लेकिन जहां अकेले–अकेले वीडियो बनाए जा रहे हों, वहां यह एक नितांत अव्यावहारिक कदम लग रहा है। इसलिए इस पर भी विरोध हुआ। विधेयक के मसौदे में डेटा के लोकलाइजेशन और यूजर डेटा का एक्सेस सरकार के पास होने का एक प्रावधान जोड़ा गया था। इसे लेकर हितधारकों का कहना था कि यह प्रावधान निजता का उल्लंघन करेगा। इसके दुरुपयोग की भी आशंका जताई गई। कुल मिलाकर जिस तरह नोटबंदी और जीएसटी लागू करने के फैसले सरकार ने दूरगामी परिणामों का आकलन किए बिना ले लिए, या तीन कृषि विधेयकों को किसानों पर थोप दिया गया था। कुछ ऐसा ही बर्ताव सरकार ने इस बार भी करने की कोशिश की। हालांकि नोटबंदी और कृषि विधेयकों जैसे फैसलों के वक्त भाजपा पूर्ण बहुमत में थी और एनडीए की छतरी के बिना भी सरकार चलाने में सक्षम थी। अब माहौल बदल चुका है। इस बार भाजपा 240 सीटों पर सिमटी हुई पार्टी है, उसे जदयू और तेदेपा के साथ मिलकर सरकार चलानी पड़ रही है। विपक्ष पहले से कहीं अधिक मजबूती के साथ लोकसभा में उपस्थित है। जाति जनगणना, अडानी–सेबी प्रकरण, ट्रेनों की दुर्घटनाएं, परीक्षा पेपर लीक, प्राकृतिक आपदाओं में सरकार की अक्षमता, बांग्लादेश में तख्तापलट और अल्पसंख्यकों की रक्षा. विनेश फोगाट के साथ हुई बेईमानी, ऐसे कई मुद्दे हैं, जिन पर सरकार को जनता के सामने जवाब देना है। विधानसभा चुनावों में इन मुद्दों को कांग्रेस जनता के बीच उठाएगी ही, ऐसे में प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक के मसौदे को वापस लेकर सरकार ने एक विवाद से खुद को तात्कालिक तौर पर बचा लिया है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि नरेन्द्र मोदी के रुख में कोई बदलाव आया है। अभिव्यक्ति के अधिकार की रक्षा के लिए अभी सजग और सतर्क बने रहने की जरूरत है।

नरेंद्र मोदी सरकार को बांग्लादेश के साथ व्यवहार में सावधानी बरतनी होगी

कल्याणी शंकर

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 5 अगस्त को अचानक अपना देश छोड़ दिया, जिससे उनके देश और दक्षिण एशिया क्षेत्र में तत्काल चिंता पैदा हो गई। बीबीसी के अनुसार, सुरक्षा अधिकारियों ने नहीं, बल्कि हसीना के परिवार ने सुरक्षा चिंताओं के कारण उन्हें जाने के लिए राजी किया। उनके बेटे ने कहा, जैसे ही हिंसक भीड़ आई, हमने उनसे विनती की कि वे तुरंत चले जायें। उनके भागने के तुरंत बाद भीड़ उनके घर में घुस गई। राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक मुद्दे, बाहरी भागीदारी और उग्र राजनीतिक विरोध पतन का कारण बना। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संसद को उनकी भारत यात्रा और बांग्लादेश के साथ भारत के संबंधों पर संभावित प्रभाव के बारे में जानकारी दी है। जिस अशांति के कारण वह चली गईं, उसमें करीब 560 लोगों की मौत हो चुकी है और इससे दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव पैदा हो सकता है, जिसका असर क्षेत्रीय सुरक्षा और विदेशी संबंधों पर पड़ सकता है। शुरू में, अपने 15 साल के लंबे शासनकाल में, हसीना को बांग्लादेश की लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष नेता के रूप में देखा जाता था, जो आर्थिक बदलाव के लिए प्रयास कर रही थीं। हालांकि, बाद में वह असहिष्णु और सत्तावादी हो गईं, मीडिया आलोचकों पर नकेल कसने लगीं और विरोधियों को जेल में डाल दिया। उन्होंने भारतीय नेताओं के साथ सौहार्द्रपूर्ण संबंध बनाये रखा, जिससे भारत विरोधी प्रदर्शन भड़क उठे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उल्लेख किया कि पिछले साल उन्होंने उनसे दस बार मुलाकात की थी। यह दोस्ती आपसी रही है, क्योंकि बेगम हसीना ने भी भारत को निशाना बनाने वाले आतंकवादियों को खदेड़कर और पारगमन सुविधाओं के लिए रियायतें देकर इसका बदला चुकाया। वह मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के दौरान पहली राजकीय अतिथि थीं। 1971 में बांग्लादेश के जन्म के बाद से ही भारत का बांग्लादेश के साथ एक विशेष संबंध रहा है। 1975 में बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की हत्या के बाद, हसीना ने भारत में छह साल बिताये। इसके बाद, वह अवामीलीग का नेतृत्व करने के लिए ढाका चली गईं। स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों के लिए 30 फीसदी आरक्षण और सरकारी पदों के लिए 56फीसदी कोटा के खिलाफ 5 जुलाई को शुरू हुए मौजूदा छात्र विरोध प्रदर्शनों ने बांग्लादेश की राजनीतिक स्थिति को प्रभावित किया है। इस कोटे को बढ़ाने के हसीना सरकार के प्रस्ताव के कारण व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए और 200 लोगों की मौत हो गई। बांग्लादेश की विपक्षी पार्टियों ने सरकार की नीतियों के प्रति बढ़ते असंतोष को व्यक्त करने के लिए श्लॉन्ग मार्चश का आयोजन किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, हसीना और अमेरिका के बीच तनाव तब बढ़ गया जब देश से भागने के बाद उनका अमेरिकी वीजा रद्द कर दिया गया। अमेरिकी विदेश विभाग ने बांग्लादेश में दीर्घकालिक शांति और राजनीतिक स्थिरता स्थापित करने में अंतरिम सरकार के महत्व पर जोर दिया। यू.के. और अन्य देशों ने भी यही रुख अपनाया। अंतरराष्ट्रीय समुदाय डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार का समर्थन करने के लिए काम कर रहा है, जो सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए जिम्मेदार हैं। नई दिल्ली ने स्थिति से निपटने के लिए एक निगरानी समिति का गठन किया है और सीमा नियंत्रण बढ़ा दिया है। हसीना के जाने के बाद मैडम खालिदा जिया और अन्य विपक्षी नेताओं को रिहा कर दिया गया। खालिदा के दो कार्यकालों के दौरान बांग्लादेश–भारत संबंध कमजोर हुए। दिल्ली में उनकी यात्रा भी एक आपदा थी। खालिदा की रिहाई से उन्हें अपनी पार्टी का नेतृत्व करने में मदद मिल सकती है, और उन्होंने लोकतांत्रिक बांग्लादेश की आवश्यकता और शांति और एकता पर जोर दिया। हसीना और खालिदा के बेटे अपनी–अपनी पार्टियों की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। इन दोनों और अन्य विपक्षी नेताओं की संभावित वापसी बांग्लादेश के राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती है। हसीना के बेटे के अनुसार, वह किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं, लेकिन अभी तक पार्टी के नेतृत्व पर फैसला नहीं किया है। इस बीच, हसीना ने अपने निष्कासन के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया। उनके बेटे का दावा है कि उनके पास इस्तीफा देने का समय नहीं था और वह अभी भी प्रधानमंत्री हैं। हसीना का समर्थन करने वाले बांग्लादेशियों ने व्हाइट हाउस और यू.के. के सामने विरोध प्रदर्शन किया है। नई दिल्ली स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है, खासकर सीमा और क्षेत्रीय सुरक्षा के साथ–साथ बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के बारे में। मोदी सरकार बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर आशंकित है। प्रधानमंत्री ने हिंसक घटनाओं के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा का आह्वान किया है। हिंदू अल्पसंख्यकों ने सांप्रदायिक तत्वों द्वारा उन पर किये गये हमलों के विरोध में बांग्लादेश के प्रमुख शहरों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किये। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था, जो ऊपर की ओर बढ़ रही थी, नवीनतम घटनाओं के कारण अब गिर रही है। देश आवश्यक वस्तुओं और बुनियादी ढांचे के लिए भारत पर निर्भर है। भारत अंतरिम सरकार के साथ निकट संपर्कमें है। भारत की बांग्लादेश के साथ 4096 किलोमीटर की सीमा है। भारतीय बीएसएफ भाग रहे बांग्लादेशियों, विशेष रूप से हिंदुओं और अवामीलीग के कार्यकर्ताओं के किसी भी अवैध प्रवेश को रोकने के लिए सक्रिय है। अगर बांग्लादेश में आंतरिक स्थिति स्थिर नहीं होती है तो सीमा पर बड़ा खतरा है। नई दिल्ली का इंतजार करो और देखो की नीति अपनाने का फैसला एक सकारात्मक कदम है। स्थिति चुनावों के समय की स्थितियों, दो बांग्लादेशी नेताओं के बीच के संबंधों तथा उनकी भावी योजनाओं पर निर्भर करती है। यदि नया नेतृत्व उभरता है, तो नई दिल्ली को एक रुख अपनाने की आवश्यकता होगी। क्षेत्रीय शांति बनाये रखने के लिए बांग्लादेश को सामान्य स्थिति में लौटने में सहायता करने में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण और जरूरी है। एक शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध बांग्लादेश भारत के सर्वोत्तम हित में है। भारत को इसे सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। घटनाक्रम तेजी से बदल रही है, और बांग्लादेश के भविष्य के राजनीतिक परिदृश्य की अनिश्चितता स्पष्ट है। चुनावों की घोषणा होने और अंतरिम सरकार की योजनाओं का खुलासा होने के बाद हमें और अधिक जानकारी मिलेगी।

कौन है हार्दिक पांड्या की रूमर्ड गर्लफ्रेंड? नताशा से अलग होते ही क्रिकेटर की

> हार्दिक पांड्या ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर ग्रीस से एक वीडियो शेयर किया है. वीडियो में वह पूलसाइड की ओर कूल अंदाज में वॉक करते हैं. बैकग्राउंड में मायकोनोस लैंडस्केप का खूबसूरत नजारा देखा जा सकता है. क्रिकेटर के इस पोस्ट पर एक विदेशी हसीना, जिसका नाम जैस्मिन वालिया है, ने प्यार लुटाया है.

भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या, जिन्होंने हाल ही में नताशा स्टेनकोविक से सेपरेट होने का अनाउंसमेंट किया था, इन दिनों ग्रीस में है. वहां क्रिकेटर अपने शानदार छुट्टियों का आनंद ले रहे हैं. एक दिन पहले क्रिकेटर ने अपने वेकेशन से तस्वीरें शेयर की, जिसे देखने के बाद फैंस के बीच चर्चाएं शुरू हो गईं कि हार्दिक पांड्या एक विदेशी हसीना को डेट कर रहे हैं. क्रिकेटर के फैंस उनकी नई रूमर्ड गर्लफ्रेंड के बारे में जानने के लिए गूगल कर रहे हैं. तो चलिए जानते हैं कि भ्तकपा च्ंदकलं की रूमर्ड गर्लफ्रेंड कौन है? हार्दिक पांड्या ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर ग्रीस से एक वीडियो शेयर किया है. वीडियो में वह पूलसाइड की ओर कूल अंदाज में वॉक करते हैं. बैकग्राउंड में मायकोनोस लैंडस्केप का खूबसूरत नजारा देखा जा सकता है. क्रिकेटर के इस पोस्ट पर एक विदेशी हसीना, जिसका नाम जैस्मिन वालिया है, ने प्यार लुटाया है. इस बीच सोशल मीडिया यूजर्स ने ध्यान दिया की जैस्मिन ने चार दिन पहले सेम लोकेशन पर लोकेशन में ब्लू कलर की बिकनी में फोटो शेयर की थी. हार्दिक और जैस्मिन की सेम लोकेशन की तस्वीरों ने उनकी डेटिंग की अफवाहों को हवा दे दी है. जैस्मीन वालिया एक ब्रिटिश सिंगर और टेलीविजन पर्सनालिटी हैं. वे म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी आवाज से में धूम मचा रही हैं. जैस्मिन के माता–पिता भारतीय मूल के हैं. हालांकि सिंगर का जन्म 19 मई 1995 में इंग्लैंड के एसेक्स में हुआ. जैस्मीन ने पहली बार ब्रिटिश रियलिटी टीवी सीरीज 'द ओनली वे इज एसेक्स ' में नजर आई थी. इस सीरीज से उन्होंने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा. 2014 में जैस्मिन ने अपना यूट्यूब चौनल लॉन्च किया. यूट्यूब पर वह अपने फेमस गानों के अपने कवर के वीडियो जारी किए.जैस्मिन ने जैक नाइट, इंटेंस–टी और ओली ग्रीन म्यूजिक जैसे कलाकारों के साथ भी काम किया है. सिंगर को स्टारडम 2017 में 'बॉम डिग्गी' से मिला. इस गाने को जैस्मिन ने जैक नाइट के साथ गाया था. इस गाने की पॉपुलैरिटी तब और बढ़ गई जब जैक नाइट ने कार्तिक आर्यन की फिल्म 'सोनू के टीटू की स्वीटी' के लिए 'बॉम डिग्गी डिग्गी' के रूप में फिर से रिलीज किया. जैस्मिन ने 2022 के म्यूजिक वीडियो 'नाइट्स एन फाइट्स' में बिग बॉस 13 के फाइनलिस्ट असीम रियाज के साथ भी काम किया है.हार्दिक पांड्या और जैस्मिन वालिया एक दूसरे के पोस्ट पर भी प्रतिक्रिया देते रहे हैं. दोनों के पोस्ट रिएक्शन से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे जुलाई 2024 से एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं. हालांकि इस क्रिकेटर और सिंगर की ओर अब तक कोई भी ऑफिशियल बयान नहीं आया है.हार्दिक पांड्या और जैस्मिन का सेम लोकेशन का पोस्ट सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स की प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गई हैं. जैस्मिन के हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट के कमेंट सेक्शन में हार्दिक को लेकर कई सवाल पूछे गए हैं. एक यूजर ने पूछा है, 'क्या तुम हार्दिक पांड्या को डेट कर रही हो?'. एक यूजर ने लिखा है, 'भाभी नंबर 2'. एक यूजर ने सवाल किया है, 'क्या अफवाहें सच हैं?'. एक अन्य फैंस ने लिखा, 'हार्दिक पंड्या और तुम एक साथ. न्यू लवबर्ड ग्रीस में आनंद ले रहे हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा के लिए आखिर क्यों फिल्म शेरशाह है बेहद खास, किया खुलासा

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी स्टारर ब्लॉकबस्टर फिल्म शेहशाह को हिंदी सिनेमा में आज पूरे तीन साल हो गए हैं। यह फिल्म शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा की जिंदगी पर आधारित है, जिनका किरदार सिद्धार्थ मल्होत्रा ने निभाया था। एक्टर ने आईएएनएस से साक्षात्कार में बताया कि फिल्म उनके लिए खास क्यों है? आईएएनएस से बात करते हुए, सिद्धार्थ ने कहा, शेरशाह मेरे लिए एक खास फिल्म है। यह मेरी पहली फिल्म थी जिसे नेशनल अवॉर्ड मिला। उन्होंने कारगिल युद्ध में शहीद हुए कैप्टन विक्रम बत्रा का किरदार निभाने को लेकर कहा, कैप्टन विक्रम बत्रा के किरदार में ढलने की प्रक्रिया रोमांचक और फायदेमंद थी। जब उनसे उनकी जिंदगी में इस फिल्म को अहमियत को लेकर सवाल पूछा गया, तो सिद्धार्थ ने कहा, बहुत कम ही ऐसी फिल्में देखने को मिलती हैं, जिन्हें एक साल बाद भी बेपनाह प्यार मिल रहा होता हैं और शेरशाह उनमें से एक है। इसका जादू आज भी पूरी दुनिया में छाया हुआ है और लोगों के दिल आज भी इसके साथ धड़क रहे हैं। मैंने ये कहानी स्क्रीन पर कही और इस बात पर मुझे गर्व है। 12 अगस्त को सिद्धार्थ ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं और लिखा, शेरशाह को तीन साल हो गए हैं। कैप्टन विक्रम बत्रा का किरदार निभाना मेरे करियर के सबसे खूबसूरत एक्सपीरियंस में से एक था। उन्होंने अपने पोस्ट में विक्रम बत्रा के माता–पिता के साथ भी तस्वीर शेयर की। इसमें कियारा आडवाणी भी दिखाई दे रही हैं। फिल्म में कियारा आडवाणी ने विक्रम बत्रा की मंगेतर डिंपल चीमा का किरदार निभाया था। शेहशाह का निर्माण धर्मा प्रोडक्शन और काश एंटरटेनमेंट ने किया था। फिल्म की कहानी और गानों को लोगों ने काफी पसंद भी किया।

खुशी कपूर का घर बना चिड़ियाघर, प्यारे दोस्तों की झलक दिखाई

अभिनेत्री खुशी कपूर ने अपने प्यारे दोस्तों की प्यारी झलकियों के साथ अपने घर की कुछ दिल छू लेने वाली तस्वीरें साझा की हैं। 23 वर्षीय अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने घर की कुछ तस्वीरें शेयर की। उनके इंस्टाग्राम पर 1.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं। तस्वीर में कपूर परिवार के छह पालतू कुत्ते स्विमिंग पूल में नहाते दिख रहे हैं। उन्होंने लिखा, मेरा घर आधिकारिक तौर पर चिड़ियाघर बन गया है। इसके बाद एक सफेद दिल वाला इमोजी भी उन्होंने डाला। एक अन्य तस्वीर में कुछ जानवरों को गर्मी की तपिश को मात देते हुए ठंडे पानी में नहाते और आनंद लेते हुए दिखाया गया है। खुशी दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और निर्माता बोनी कपूर की बेटी हैं। वह अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की छोटी बहन और अभिनेता अनिल कपूर और संजय कपूर की भतीजी हैं। उनकी चचेरी बहनें सोनम कपूर और रिया कपूर हैं।अभिनेता अर्जुन कपूर उनके सौतेले भाई हैं। उन्होंने 2016 में यूट्यूब लघु फिल्म 'भस्म होः प्यार का तकरार के साथ अपने अभिनय की शुरुआत की, जिसमें उन्होंने पिंकी कश्यप की भूमिका निभाई। 2020 में उन्होंने लघु फिल्म श्स्पीक अपश के साथ अपनी आधिकारिक शुरुआत की।

खुशी 2023 में टीन म्यूजिकल कॉमेडी द आर्चीज से हिंदी फिल्म में डेब्यू किया, जो जोया अख्तर द्वारा निर्देशित थी। अख्तर ने टाइगर बेबी फिल्म्स के तहत रीमा कागती और ग्राफिक इंडिया के तहत शरद देवराजन के साथ इसका सह–निर्माण किया था। यह फिल्म एक काल्पनिक रॉक बैंड द आर्चीज का रूपांतरण है, जो 1960 के दशक के एनिमेटेड कार्टून में दिखाई दिया था। फिल्म में अगस्त्य नंदा, सुहाना खान, वेदांग रैना, मिहिर आहूजा, अदिति डॉट सहगल और युवराज मेंडा हैं।

श्रीदेवी की बर्थ एनिवर्सरी पर जान्हवी कपूर ने बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के संग लिया भगवान वेंकटेश्वर का आशीर्वाद

जान्हवी साउथ इंडियन लुक में नजर आईं। उन्होंने ग्रीन कलर के ब्लाउज के साथ पीली रंग की साड़ी पहनी थी। वहीं कानों में झुमके, नेकलेस और कमरबंद उनके लुक में

चार चांद लगा रहा था। उन्होंने लुक को पूरा करने के लिए बालों का जुड़ा बनाया था। वहीं शिखर सफेद रंग की वेष्टि यानी धोती में दिखे। उन्होंने अंगवस्त्र भी डाल रखा था। शिखर पहाड़िया महाराष्ट्र के पूर्व सीएम सुशील कुमार शिंदे के नाती हैं। जान्हवी और शिखर काफी समय से रिलेशनशिप में हैं। मंदिर में जान्हवी के लिए दर्शन के लिए खास इंतजाम किए गए थे। दर्शन के बाद, टीटीडी (तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम) के अधिकारियों ने उन्हें भगवान वेंकटेश्वर के रंगनायक मंडपम में रेशमी वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया और भगवान का प्रसाद दिया। दरअसल, कल उनकी मां और बॉलीवुड की बड़ी अदाकारा श्रीदेवी की 61 वीं जयंती है। जान्हवी हर बार मां के जन्मदिन पर तिरुपति बाला जी दर्शन करने जाती हैं। जान्हवी कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की फिल्म 'देवरा' के जरिए साउथ सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। इस फिल्म से बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान भी इंडस्ट्री में डेब्यू कर रहे है। इसके अलावा, वह सस्पेंस–थ्रिलर 'उलझ' को लेकर भी चर्चाओं में है, जिसको दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है।

क्या आप जानते हैं कि श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव ने ैजतमम 2 के लिए कितनी फीस ली

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फिल्म स्त्री 2 की फीसः श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फिल्म स्त्री 2 को दर्शकों और आलोचकों से प्रशंसा मिल रही है। हॉरर कॉमेडी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फिल्म स्त्री 2 की फीसरू श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फिल्म स्त्री 2 को दर्शकों और आलोचकों से प्रशंसा मिल रही है। हॉरर कॉमेडी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसकी टक्कर दो अन्य बड़े बैनर की फिल्मों अक्षय कुमार की खेल खेल में और जॉन अब्राहम की वेदा से हुई थी। यह फिल्म इस साल बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा ओपनिंग करने वाली फिल्म बन गई। स्त्री 2 ने पहले दिन भारत में 54.35 करोड़ रुपये की कमाई की थी। सैकनिल्क की एक रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने 14 अगस्त को स्पेशल प्रीव्यू से 8 करोड़ रुपये और स्वतंत्रता दिवस पर 46 करोड़ रुपये की भारी कमाई की। चंदेरी शहर फिर से प्रेतवाधित हो रहा है। एक सिरहीन इकाई रहस्यमय तरीके से शहर की महिलाओं का अपहरण कर लेती है। विक्की (राजकुमार राव द्वारा अभिनीत) और उसके दोस्त इस मुद्दे को सुलझाने का फैसला करते हैं फिल्म में श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी, अपारशक्ति खुराना, अन्या सिंह, सुनीता राजवार, अर्जुन पांचाल और अतुल श्रीवास्तव मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में अक्षय कुमार, वरुण धवन और तमन्ना भाटिया जैसे सितारों ने दमदार स्पेशल अपीयरेंस दी थी। इस अभिनेता की कैमियो भूमिकाओं को भी दर्शकों ने खूब सराहा है।

स्त्री 2 के लिए श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फीस

स्त्री की रिलीज के बाद दर्शकों ने श्रद्धा और राजकुमार की केमिस्ट्री को खूब सराहा। फिल्म ने खूब लोकप्रियता हासिल की और अपने लिए एक अलग फैनबेस बनाया। मूल फिल्म की रिलीज के बाद से ही प्रशंसक इसके दूसरे भाग को देखने के लिए उत्सुक हैं। दोनों मुख्य अभिनेताओं ने फिल्म के बहुप्रतीक्षित सीक्वल के लिए मोटी रकम ली है। बॉलीवुड शादियों की एक रिपोर्ट के अनुसार, राजकुमार राव ने स्त्री 2 में विक्की की भूमिका निभाने के लिए लगभग 6 करोड़ रुपये चार्ज किए। दूसरी ओर, इसी रिपोर्ट से पता चलता है कि श्रद्धा कपूर ने अमर कौशिक की स्त्री 2 में अपनी भूमिका के लिए 5 करोड़ रुपये लिए हैं।

पहली बार लोहे की कड़ाही का कर रही हैं इस्तेमाल तो इन बातों का रखें ध्यान, वरना काला हो जाएगा खाना

पुराने जमाने में मिट्टी या फिर लोहे के बर्तनों में खाना बनाया जाता था। बताया जाता था कि इससे सेहत को फायदा मिलता था। साथ ही शरीर में नॉनस्टिक कुकवेयर का असर भी कम होता था। हालांकि अब तो मार्केट में आपको तरह–तरह के बर्तन मिल जाते हैं। जिनका इस्तेमाल करना स्मार्ट माना जाने लगा है। वहीं कुछ बर्तन ऐसे भी होते हैं, जिनका इस्तेमाल खास डिश बनाने के लिए किया जाता है। वहीं लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल भारतीय किचन में लंबे समय से किया जा रहा है। लोहे की कड़ाही में तरह–तरह के स्वादिष्ट भोजन बनाने के लिए महिलाएं इसका इस्तेमाल करती हैं। लोहे की कड़ाही में बना खाना सेहत के लिए सही होता है और यह महिलाएं के शरीर से आयरन की कमी को भी दूर करता है। लेकिन लोहे के बर्तन का इस्तेमाल ध्यान से करना चाहिए। अगर आप पहली बार लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल करने जा रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। हं आपको बताने जा रहे हैं कि लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल करने के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

क्यों होता है लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल

बता दें कि आयरन की कमी होने से कई तरह की बीमारियों का खतरा होता है। ऐसे में लोहे की कड़ाही या बर्तन में बना खाना खाने से शरीर में आयरन की कमी पूरी होती है और यह सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है।

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक एक वयस्क महिला को रोजाना 18 उह आयरन चाहिए होता है। जिसके लिए आप लोहे की कड़ाही में खाना बनाकर खा सकती हैं। हालांकि लोहे की कड़ाही में खाना काफी ध्यान से बनाना होगा।

नई कड़ाही में ऐसे बनाएं खाना

अगर आप नई लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल करने जा रहे हैं, तो इसको धोना ही काफी नहीं होगा। क्योंकि जब नई लोहे की कड़ाही में खाना बनाया जाएगा, तो इसका कलर उतरता है। इससे खाना बेकार बनेगा और काला हो जाएगा। इससे बचने के लिए आपको कड़ाही की कोटिंग करनी होगी।

ऐसे करें तेल की कोटिंग

लोहे की कड़ाही को अच्छी तरह से धो लें।

फिर गैस पर कड़ाही रखें और इसमें ढेर सारा तेल डाल दें।

अब तेल की लेयर से कड़ाही को कोट कर दें।

फिर गैस ऑन कर तेल में ढेर सारा नमक डालकर अच्छे से पकाएं।

अब चम्मच से इस तरह चलाएं कि नमक पूरी कड़ाही में लग जाए।

थोड़ी देर बाद तेल और नमक काला हो जाएगा।

नमक के काले होने का मतलब है कि कड़ाही साफ हो चुकी है।

कोटिंग के बाद क्या करें

तेल की कोटिंग करने के बाद तेल को फेंक देना चाहिए। फिर इसको पानी की मदद से साफ करें। जब कड़ाही का पानी सूख जाए, तो एक साफ कपड़े की सहायता से कड़ाही को साफ कर लें।

पहली बार ऐसे धोएं लोहे का बर्तन

बता दें कि यदि आप लोह के बर्तन पर ज्यादा साबुन रगड़ेंगे, तो यह जल्दी खराब हो जाता है और इसमें जंग लग जाती है। इसलिए लोहे के बर्तन को सिर्फ गर्म पानी डालकर धोना चाहिए। वहीं ज्यादा गंदा होने पर थोड़ा सा लिक्विड सोप का इस्तेमाल करना चाहिए।

लोहे के बर्तन जैसे कड़ाही आदि के धोने के बाद इसको गीला न छोड़ें, वरना इसमें जंग लग जाएगी। इसको धोने के बाद किसी सूखे कपड़े से साफ पोंधे और फिर थोड़ा सा कुकिंग तेल लगाकर रखें। इससे लोहे के बर्तनों की शेल्फ लाइफ अच्छी होगी।

नाइट सिफ्ट करने वाली महिलाओं के लिए सेफ्टी टिप्स, बिना डरे कर सकेंगी अपनी सुरक्षा

कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में एक महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या के मामले ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। देश के कई राज्यों में डॉक्टर इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस घटना ने उन महिलाओं की चिंता बढ़ा दी है जो रात को ड्यूटी करती हैं। रात की ड्यूटी करने वाली महिलाओं के लिए सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है। ऐसे में आज हम आपको कुछ सेफ्टी टिप्स बता रहे हैं जिसका पालन कर रात की ड्यूटी करने वाली महिलाएं खुद को सुरक्षित रख सकती हैं और किसी भी अप्रिय स्थिति से बच सकती हैं।

ट्रांसपोर्टेशन प्लानिंग

रात में ऑफिस से घर जाते समय सुरक्षित और भरोसेमंद परिवहन का चयन करें। अगर कंपनी कैब सुविधा देती है, तो इसका उपयोग करें। कैब बुकिंग ऐप का उपयोग करते समय, कैब की डिटेल्स जैसे कि वाहन का नंबर, ड्राइवर का नाम और अन्य जानकारी को किसी विश्वसनीय व्यक्ति के साथ साझा करें। अगर संभव हो, तो अपने किसी सहकर्मी के साथ यात्रा करें।

ऑफिस और घर का स्थान

ऑफिस और घर के रास्ते की जानकारी रखें और कोशिश करें कि आप अच्छी तरह से रोशनी वाले और भीड़भाड़ वाले रास्तों से ही जाएं।अगर घर या ऑफिस का इलाका सुरक्षित नहीं लगता, तो आसपास के लोगों या सुरक्षा गार्ड से सहायता मांगें।

अलर्ट रहें

हर समय सतर्क रहें और अपने आसपास के माहौल पर ध्यान दें। मोबाइल फोन का उपयोग करते समय ध्यान रखें कि आप पूरी तरह से अपने आसपास के माहौल से अवगत रहें। अनजान लोगों से बातचीत करते समय सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत अपने नियोक्ता या स्थानीय सुरक्षा अधिकारियों को दें।

सेल्फ–डिफेंस का ज्ञान

सेल्फ–डिफेंस की बेसिक ट्रेनिंग लें ताकि आप किसी भी अप्रत्याशित परिस्थिति में अपनी रक्षा कर सकें। साथ ही, हमेशा अपने साथ पेपर स्प्रे, टसर (जेंमत) या कोई अन्य सुरक्षा उपकरण रखें जो आसानी से उपलब्ध हो और उपयोग में सरल हो। अपने फोन में कुछ इमरजेंसी नंबर, जैसे कि परिवार के सदस्यों, सहकर्मियों, और स्थानीय पुलिस के नंबर को सुरक्षित रखें। इन नंबरों को फास्ट डायल पर सेट करें ताकि आप तुरंत मदद मांग सकें।

ऑफिस में सेफ्टी प्रोटोकॉल

सुनिश्चित करें कि आपके ऑफिस में रात की ड्यूटी के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था है। यदि संभव हो, तो अपने नियोक्ता से रात के समय ऑफिस के आस–पास की सुरक्षा को बढ़ाने की मांग करें, जैसे कि सुरक्षा गार्ड या सीसीटीवी कैमरा। अपने स्मार्टफोन में सुरक्षा ऐप्स इंस्टॉल करें, जैसे कि बटन दबाने पर इमरजेंसी अलर्ट भेजने वाले ऐप्स। ये ऐप्स आपके दोस्तों या परिवार को आपकी लोकेशन और स्थिति के बारे में सूचित कर सकते हैं।

खुद को दृढ़ता से प्रस्तुत करें

किसी भी स्थिति में अपने आत्मविश्वास को बनाए रखें। जब आप आत्मविश्वास के साथ चलती हैं और बोलती हैं, तो यह आपको एक कठिन लक्ष्य बना सकता है। रात की ड्यूटी करने वाली महिलाओं को अपनी सेहत का भी ध्यान रखना चाहिए। पर्याप्त नींद, सही भोजन, और नियमित एक्सरसाइज से खुद को स्वस्थ रखें ताकि आप सतर्क और सक्रिय रहें। अपने परिवार या दोस्तों के साथ नियमित चेक–इन करने की व्यवस्था करें। ऑफिस पहुंचने और घर लौटने पर उन्हें सूचित करें।

रक्षाबंधन पर पाएं चमकती त्वचा, चेहरे पर लगाएं हल्दी के ये 5 फेस पैक

रक्षाबंधन का त्योहार बेहद नजदीक आ गया है। सभी घरों में फेस्टिवल की तैयारियां शुरु हों चुकी है। वहीं, मार्केट में भी राखियों से भरे पड़े है। बाजारों में शोपिंग की लाइनें लग रही है। लेकिन स्किनकेयर का अभी आपने कुछ नहीं सोचा होगा। महंगे ट्रीटमेंट और पार्लर जाने से बचें। घर पर ही नेचुरल तरीके से फेस पैक लगाएं। हल्दी एक बहुत ही स्वास्थ्यवर्धक मसाला है। खाना पकाने के साथ–साथ इसका उपयोग वर्षों से औषधीय और सौंदर्य निखारने के लिए भी किया जाता रहा है। हल्दी में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी यौगिक मौजूद होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ रखते हैं। इसे लगाने से मुरझाई त्वचा में जान आ जाती है। आप फोड़े–फुंसियों से छुटकारा पा सकते हैं। यह त्वचा को अंदर से चमकने में भी मदद करता है। कोई भी व्यक्ति अपनी दैनिक त्वचा देखभाल दिनचर्या में हल्दी को शामिल कर सकता है।

त्वचा पर हल्दी के फेस पैक लगाने के फायदे

क्या आप जानते हैं कि आप हल्दी में अन्य सामग्री मिलाकर भी चेहरे पर लगा सकते हैं? इसका फायदा दोगुना हो जाता है. आइए यहां किचन में मौजूद करीब 5 चीजों पर नजर डालते हैं, जिन्हें अगर आप हल्दी में मिलाकर चेहरे पर लगाएंगे तो त्वचा संबंधी समस्याएं नहीं होंगी।

दूध और हल्दी का पैक

जब आप दूध और हल्दी को मिलाकर चेहरे पर लगाते हैं तो इससे मुंहासे कम हो जाते हैं। त्वचा की जलन भी कम हो जाएगी। साथ ही त्वचा की रंगत भी निखरती है। दूध में मौजूद लैक्टिक एसिड एक प्राकृतिक एक्सफोलिएंट है जो मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाता है। इन दोनों को एक साथ लगाने से त्वचा में निखार आता है। दाग–धब्बे कम किए जा सकते हैं, जिससे प्राकृतिक चमक मिलेगी।

हल्दी और शहद का पैक

अगर आप शहद में हल्दी मिलाकर लगाते हैं तो कई फायदे होते हैं। शहद लगाने से त्वचा हाइड्रेट रहती है। नमी बरकरार रहती है। दूसरी ओर, हल्दी अपने एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण मुंहासों और एलर्जी से राहत दिलाती है। अगर आपकी त्वचा रूखी रहती है तो शहद और हल्दी का पेस्ट लगाने से त्वचा मुलायम रहती है।

हल्दी में नींबू का पैक

अगर आप कम उम्र में ही झुर्रियों और फाइन लाइन्स की समस्या से जूझ रहे हैं तो आपको त्वचा पर हल्दी और नींबू का पेस्ट लगाना शुरू कर देना चाहिए। विटामिन सी से भरपूर नींबू एक एंटीऑक्सीडेंट है, जो समय से पहले बुढ़ापा आने और त्वचा खराब होने की समस्या को कम करता है। हल्दी और नींबू का मिश्रण त्वचा को मुलायम और चमकदार बनाता है।

टमाटर और हल्दी का पैक

जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील हैं उनके लिए लोगों यह स्वास्थ्यवर्धक है। टमाटर में मौजूद लाइकोपीन जैसे एंटीऑक्सीडेंट सूजन को कम करते हैं। त्वचा का समय से पहले बूढ़ा होना ठीक हो जाता है। टमाटर के गूदे में हल्दी मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इससे त्वचा की जलन और खुजली से राहत मिल सकती है।

दही और हल्दी का पैक

हल्दी और दही का मिश्रण त्वचा के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। यह एक बेहतरीन मॉइस्चराइज़र के रूप में काम करता है। इसका उपयोग प्राकृतिक फेस वॉश के रूप में किया जा सकता है। दही में प्रोटीन, विटामिन, वसा और कई अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो त्वचा को भरपूर पोषण प्रदान करते हैं और पोषण देते हैं। दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है। यह मृत त्वचा कोशिकाओं और बंद रोमछिद्रों को खोलता है।

जानें कैसे शानदार और यादगार डेस्टिनेशन वेडिंग का प्लान बनाएं

भारत विविधता से भरा एक सुंदर देश है लेकिन कई कपल की पसंद होती है कि विदेश में डेस्टिनेशन विवाह करना चाहते है। लेकिन भारत में कुछ ऐसी शानदरा जगहें हैं जहां आप मस्त तरीके से डेस्टिनेशन वेंडिग कर सकते हैं। हालांकि, राजस्थान के उदयपुर, जैसलमेर और जोधपुर के महल शाही वेडिंग प्रदान करते हैं, गोवा उन लोगों के लिए आकर्षक है जो समुद्र तट पर शादी करना चाहते हैं। इसी तरह, हिमालय में शादी उन लोगों के लिए बिल्कुल सही है जो पहाड़ों से प्यार करते हैं, जबकि केरल बैकवाटर्स अद्भुत अनुभव प्रदान करते हैं, यहां तक कि अंडमान और निकोबार के द्वीप जल्द ही शादी करने वाले जोड़े के लिए आकर्षक स्थान प्रदान करते हैं। यदि आप एक डेस्टिनेशन वेडिंग की योजना बना रहे हैं, तो उस स्वप्निल विवाह की योजना बनाने के सर्वोत्तम तरीके यहां दिए गए हैं।

एक वेडिंग प्लानर किराये पर लें

एक वेडिंग प्लानर आपकी 99: समस्याओं का समाधान करता है, क्योंकि वे शादियों के आयोजन की बारीकियों से अच्छी तरह वाकिफ होते हैं जो विभिन्न विकल्पों के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं। आपको असंख्य विकल्प प्रदान करते हुए, वे आपके बजट, सपनों के गंतव्यों, मेहमानों की संख्या के अनुसार शादी को अनुकूलित करेंगे और इसे सही स्थानीय स्वाद के साथ जोड़ देंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आपकी शादी वास्तव में यादगार हो। सप्ताह में सिर्फ एक बार उनसे बात करने से यह सुनिश्चित हो जाएगा कि हर छोटी से छोटी बात आपकी इच्छा के अनुरूप है।

सही डेस्टिनेशन चुनें

भारतीय शादियों का सीजन नवंबर से फरवरी तक होता है और फिर हैं शुभ तिथियां। आप उपलब्धता के आधार पर और जैसा कि बताया गया है, अपनी पसंद के अनुसार एक गंतव्य का चयन कर सकते हैं। शाही, पहाड़ी या समुद्र तट वाली शादी में से चुनें और वेडिंग प्लानर आपको ढेर सारे विकल्प देगा।

सभी के लिए यादें बनाना

एक डेस्टिनेशन विवाह में आमतौर पर कुल मिलाकर लगभग 200–400 लोग ही शामिल होते हैं और उनमें से अधिकांश करीबी परिवार के सदस्य और दोस्त होते हैं। यह सुनिश्चित करना अनिवार्य है कि उनके लिए एक ऐसा शानदार अनुभव निर्मित हो जिसे वे याद रखें। नाश्ते के साथ कुछ स्वागत किट बनाएं और उन्हें उनके कमरे में रखें। दर्शनीय स्थल देखने या स्पा के लिए एक दिन की योजना बनाएं ताकि वे डेस्टिनेशन द्वारा प्रदान की जाने वाली विलासिता का आनंद उठा सकें।

नजदीकी हवाई अड्डा की सुविधा हो

सुनिश्चित करें कि विवाह होटल हवाई अड्डे से एक घंटे से अधिक दूर न हो। मेहमानों के लिए, लंबे समय तक यात्रा करना थकाऊ हो जाता है क्योंकि समूह में बुजुर्ग और बच्चे भी होते हैं। उपयुक्त परिवहन की भी व्यवस्था करें और यदि मेहमान एक ही उड़ान से नहीं आ रहे हैं तो उनके आगमन के बारे में मेहमानों के साथ समन्वय करें ताकि उन्हें हवाई अड्डे पर इंतजार न करना पड़े। इसलिए किसी अनुभवी ट्रांसपोर्टर को काम पर रखें या वेडिंग प्लानर को यह काम सौंपें और शादी का आनंद लें।

बेहतर व्यवस्था

एक यादगार डेस्टिनेशन शादी की प्रमुख विशेषताओं में से एक निर्बाध और सुविचारित शो प्रवाह है। एक शादी में आम तौर पर मेहंदी, हल्दी और संगीत से लेकर कॉकटेल पार्टी, बारात सभा और फेरे तक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शामिल होती है, और यह केवल एक उचित शो प्रवाह है जो चारों ओर निर्बाध उत्सव की सुविधा प्रदान कर सकता है। शो के प्रवाह में अपने आप में विविध आयाम हैं, उदाहरण के लिए यदि कोई शादी राजस्थान में हो रही है, तो यह सलाह दी जाती है कि आप राजस्थानी मेहंदी जैसे तत्वों को शामिल करें, जबकि गोवा में, कोई वाइन और पनीर का विकल्प चुन सकता है। इसी तरह, संगीत जैसे कार्यक्रमों के लिए, अंतिम मिनट की बाधाओं से बचने के लिए प्रदर्शन का क्रम पहले से तय किया जाना चाहिए। सेलिब्रिटी की व्यस्तताओं के मामले में भी, पूर्व योजना बनाना एक प्रमुख आवश्यकता है।

आकस्मिक योजना

भारतीय शादियां हमेशा एक भव्य समारोह होती हैं और हम यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ सकते हैं कि सभी स्थितियों और परिस्थितियों में भव्यता बरकरार रहे। इसलिए, हम किसी भी अप्रत्याशित घटना की स्थिति में एक फुल–प्रूफ आकस्मिक योजना रखने की दृढ़ता से अनुशंसा करते हैं। चाहे वह मौसम परिवर्तन हो या भगवान न करे, अंतिम क्षणों में कोई अन्य बड़ा मुद्दा सामने आना, मेजबान को अधिक नुकसान से बचने के लिए एक व्यापक बीमा सुनिश्चित करना चाहिए। अचानक मौसम परिवर्तन की स्थिति में, जो विशेष रूप से कुछ विशिष्ट स्थलों के लिए एक संभावना है, एक बैक–अप योजना रखना भी अनिवार्य हो जाता है, ताकि किसी समारोह को निर्बाध निष्पादन के लिए वैकल्पिक स्थान या गंतव्य पर स्थानांतरित किया जा सके।

सजावट

खैर, सजावट एक ऐसा पहलू है जिसमें किसी भी शादी से पहले पर्याप्त समय और विचार–विमर्श होता है। रंग कोडिंग/थीम, सामग्री चयन, फूल, तंबू, रोशनी, तत्व और प्रॉप्स आदि सहित कई चीजों से मिलकर, सजावट शादी के समग्र अनुभव को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके अलावा, यह दूल्हे और दुल्हन के पहनावे से भी सह–संबंधित है, और इसलिए शामिल किए गए अलमारी योजनाकार को जोड़े और मेहमानों दोनों के लिए पोशाक और परिधान को अंतिम रूप देने से पहले प्रत्येक अवसर की सजावट को ध्यान में रखना चाहिए।

पर्यावरण अनुकूल चीजें होनी चाहिए

कई जोड़े अब शादी करते समय ग्रह के प्रभाव को लेकर अधिक सतर्क हो रहे हैं। जबकि पारंपरिक कागजी आमंत्रणों ने डिजिटल आमंत्रणों का मार्ग प्रशस्त किया है, पर्यावरण अनुकूल सजावट भी एक बढ़िया विकल्प है।

स्थानीय स्वाद

भारतीय शादियां और टेस्टी फूड एक दूसरे के पर्याय हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग की योजना बनाते समय बेहतरीन डेस्टिनेशन अनुभव देने के लिए स्थानीय व्यंजन परोसने का ध्यान रखें। राजस्थानी भोजन भारतीय स्वाद के लिए बहुत अच्छा है, लेकिन गोवा में ऐसे शाकाहारी भी होंगे जो समुद्री भोजन नहीं खाना चाहेंगे। इसलिए स्वाद वरीयता के अनुसार एक मेनू तैयार किया जाना चाहिए।

संक्षिप्त

एआई के क्षेत्र में बदलाव के बीच कंपनी 6,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

इन दिनों कई कंपनियों में छंटनी का दौर जारी है। इसी कड़ी में सिस्को में भी छंटनी की योजना पर काम हो रहा है। सिस्को ने यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन को दी गई जानकारी में कहा है कि वह अपने वैश्विक कार्यबल में 7: की कटौती करने की योजना बना रही है। यह दूसरी बार है जब टेक कंपनी ने इस साल छंटनी की घोषणा की है। इससे पहले फरवरी में सिस्को ने करीब 4,000 कर्मचारियों की छंटनी की थी। कंपनी ने फाइलिंग में कहा, षसिस्को ने प्रमुख विकास अवसरों में निवेश करने और अपने व्यवसाय में अधिक दक्षता लाने के लिए एक पुनर्गठन योजना की घोषणा की है। इस पुनर्गठन योजना से सिस्को के वैश्विक कार्यबल के लगभग 7 प्रतिशत पर प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। फाइलिंग में बताया गया है कि सिस्को छंटनी और अन्य उपायों के माध्यम से लागत में 1 बिलियन डॉलर की कटौती करने की योजना बना रहा है। इस प्रक्रिया में विच्छेद और अन्य एकमुश्त समाप्ति लाभ के साथ–साथ अतिरिक्त अन्य लागतें शामिल होंगी, जैसा कि कंपनी ने उल्लेख किया है, षसिस्को को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में इन शुल्कों में से लगभग +700 मिलियन से +800 मिलियन की पहचान होगी और शेष राशि वित्त वर्ष 2025 के शेष समय के दौरान पहचानी जाने की उम्मीद है। यह तब हुआ जब सिस्को ने जून में मजबूत एआई समाधान विकसित करने के लिए कोहेर, मिस्ट्रल और स्केल सहित एआई स्टार्टअप में निवेश करने के लिए +1 बिलियन का वादा किया था। सिस्को ने एआई सिस्टम के लिए उन्नत बुनियादी ढाँचा बनाने के लिए एनवीडिया के साथ साझेदारी की भी घोषणा की और साइबर सुरक्षा पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। टेक उद्योग ने 2024 में छंटनी की लहर देखी है। हाल ही में, इंटेल ने 15,000 नौकरियों में कटौती की घोषणा की, जबकि माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़ॅन और गूगल सहित बड़ी टेक कंपनियों ने भी अपने कर्मचारियों की संख्या में कटौती की है।

शेयर बाजार में देखने को मिली तेजी, बाजार खुलते ही हुई 4 लाख करोड़ की कमाई

शेयर बाजार में शुक्रवार की सुबह यानी सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। इस शानदार तेजी के कारण शेयर बाजार में खुशी का माहौल बना हुआ है। सेंसेक्स और निफ्टी ने कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिन बेहद अच्छा उछाल देखा है। सेंसेक्स इस दौरान 800 अंक ऊपर खुला है। इसका स्तर 79,911.85 पर पहुंच गया है। वहीं बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार

में 805.96 अंक बढ़कर 79,911.84 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 252.05 अंक चढ़कर 24,395.80 अंक पर रहा। सेंसेक्स में सूचीबद्ध सभी 30 कंपनियों के शेयर में शुरुआती कारोबार में उछाल आया। महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, इंफोसिस और इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे अधिक चढ़े। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की–225, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग फायदे में रहे। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80.84 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में बुधवार को बिकवाल रहे और शुद्ध रूप से 2,595.27 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर बेचे।

पिछले दशक की तुलना में पीएनजी 5 गुना, एलपीजी दोगुनी और इथेनश्वल मिश्रण 10 गुना बढ़ा : हरदीप पुरी

भारत में इन दिनों कई तरह के बदलाव देखने को मिल रहे है। एक समय था जब लोग एलपीजी गैस सिलेंडर का ही इस्तेमाल कर खाना बनाया करते थे। वहीं अब केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में पाइप्ड गैस कनेक्शनों की संख्या 2014 में 25 लाख से बढ़कर 2024 में 1.32 करोड़ हो गई है। पुरी ने कहा, पिछले दशक में प्रमुख सुधारों ने हमारे ऊर्जा क्षेत्र को नया स्वरूप दिया है, तथा ऊर्जा की उपलब्धता, सामर्थ्य और स्थिरता को बढ़ाया है। एक्स पर सोशल मीडिया पोस्ट में मंत्री ने नागरिकों के लिए ऊर्जा स्वतंत्रता के पांच रास्ते साझा किए। उन्होंने कहा कि भारत की रिफाइनिंग क्षमता भी 2014 के 215 मिलियन से बढ़कर 256.8 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) हो गई है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण 2014 के 1.53 प्रतिशत की तुलना में 2024 में बढ़कर 15 प्रतिशत हो गया है। एलपीजी कनेक्शनों में वृद्धि पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा कि 2014 में केवल 14.52 करोड़ एलपीजी उपयोगकर्ता थे। लेकिन अब, 1 अगस्त, 2024 तक, 32.73 करोड़ से अधिक सक्रिय एलपीजी कनेक्शन हैं, जिनमें 10.33 करोड़ पीएमयूवाई कनेक्शन शामिल हैं।

रोहित और कोहली के दलीप ट्रॉफी में हिस्सा नहीं लेने पर आया जय शाह का बयान, बताई वजह

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे स्टार खिलाड़ियों के शामिल नहीं होने पर चुप्पी तोड़ी और इस बारे में जानकारी दी है। जय शाह ने गुरुवार को कहा कि रोहित और कोहली को चोटिल होने का जोखिम होने के कारण इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए जोर नहीं दिया जाना चाहिए। दलीप ट्राफी से घरेलू सीजन की शुरुआत हो रही है। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के कई सितारे खेलते नजर आएंगे। दलीप ट्रॉफी की शुरुआत पांच सितंबर से होगी। बीसीसीआई ने शीर्ष भारतीय खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए कहा था, लेकिन जय शाह का कहना है कि कोहली और रोहित को इसलिए इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए जोर नहीं दिया गया जिससे चोटिल होने के जोखिम से बचा जा सके। उन्होंने साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में सभी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में हिस्सा नहीं लेते हैं। मुंबई में मीडिया से बात करते हुए जय शाह ने कहा, हम कोहली और रोहित जैसे खिलाड़ियों को दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए जोर नहीं दे रहे। ऐसा करने पर चोटिल होने का जोखिम हो सकता है। अगर आपने ध्यान दिया है तो देखा होगा कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में सभी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी घरेलू टूर्नामेंट में नहीं खेलते हैं। हमें सम्मान के साथ खिलाड़ियों के साथ पेश आना है।

पंत–गिल जैसे खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट में नियमित कप्तान रोहित और दिग्गज बल्लेबाज कोहली के अलावा रविचंद्रन अश्विन और जसप्रीत बुमराह भी शामिल नहीं होंगे। रोहित अंतिम बार 2016 में दलीप ट्रॉफी में खेले थे, जबकि कोहली ने 2010 में इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था जब उन्हें टेस्ट टीम में शामिल होने का मौका नहीं मिला था। ऋषभ पंत और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी भी दलीप ट्रॉफी का हिस्सा होंगे। मालूम हो कि श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को घरेलू क्रिकेट में नहीं खेलने के कारण बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से बाहर किया गया था।

आने वाले समय में और भी खिलाड़ी खेलेंगे घरेलू क्रिकेट

जय शाह ने साथ ही कहा कि आने वाले समय में और भी कई खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में खेलते दिखेंगे। उन्होंने कहा, श्इन खिलाड़ियों के अलावा, अन्य सभी खिलाड़ी इसमें शामिल हो रहे हैं। आपको इसकी सराहना करनी चाहिए। ईशान किशन और श्रेयस अय्यर बुची बाबू टूर्नामेंट में खेलेंगे।' बुची बाबू टूर्नामेंट में श्रेयस, ईशान और सूर्यकुमार यादव अपनी–अपनी राज्य की टीम का प्रतिनिधित्व करते दिखेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज का दावा, कहा- जो रूट 3-4 साल में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ देंगे

जो रूट ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट में 12 हजार रन पूरे किए। वह टेस्ट क्रिकेट में वर्तमान ने 7वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में मास्टर ब्लास्ट सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा रन के रिकॉर्ड से मुश्किल से 4 हजार रन पीछे हैं। तेंदुलकर के 15,921 रन हैं। वहीं 33 साल के रूट के 143 टेस्ट की 261 पारी में 12,027 रन हैं। इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर जो रूट ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट में 12 हजार रन पूरे किए। वह टेस्ट क्रिकेट में वर्तमान ने 7वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में मास्टर ब्लास्ट सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा रन के रिकॉर्ड से मुश्किल से 4 हजार रन पीछे हैं। तेंदुलकर के 15,921 रन हैं। वहीं 33 साल के रूट के 143 टेस्ट की 261 पारी में 12,027 रन हैं। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर रिकी पोंटिंग का मानना है कि अगर इंग्लैंड साल में 10 से 14 टेस्ट खेलता है तो जो रूट अगले 3–4 साल में तेंदुलकर को पीछे छोड़ देंगे। वह 37 साल की उम्र तक टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। पोंटिंग के 13,378 रन से रूट 1351 रन पीछे हैं। रूट ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। अब वह श्रीलंका के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। इससे पहले पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू पर संजना गणेशन से कहा कि, वह ऐसा कर सकते हैं। वह 33 वर्ष के हैं। 3 हजार से ज्यादा पीछे है। ये इस बात पर निर्भर करता है कि वे कितने टेस्ट मैच खेलते हैं, लेकिन अगर वे साल में 10 से 14 टेस्ट मैच खेल रहे हैं। अगर साल में 800 से 1000 रन बना रहे हैं, तो इसका मतलब है कि उन्हें वहां पहुंचने में केवल तीन या चार साल लगेंगे। अगर उनमें भूख बनी रहती है, तो उशके ऐसा करने की पूरी संभावना है।

उन्हें तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए, टी20 विश्व कप से पहले अंजुम की हरमनप्रीत को सलाह

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ने बुधवार को कहा कि हरमनप्रीत कौर की तरकश में मैच में दबदबा बनाये रखने के लिए कई शॉट्स मौजूद हैं जिससे उन्हें तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए और भारत को टी20 विश्व कप से पहले अपने संयोजन को फिर से तैयार करने के बारे में सोचना चाहिए। बीते दिनों की स्टाइलिश बल्लेबाज इस बात से भी चिंतित हैं कि महत्वपूर्ण मुकाबलों में गेंदबाजी आक्रमण प्रभावी नहीं रहा है। चोपड़ा ने कहा कि भारत के पास तीसरे नंबर के लिए कई विकल्प हैं लेकिन कप्तान हरमनप्रीत को खुद को लंबे समय तक बल्लेबाजी करने से वंचित नहीं रखना चाहिए। चोपड़ा ने कहा, श्मुझे हमेशा लगता है कि हरमन को तीसरे नंबर पर खेलना चाहिए। मैंने उनसे भी कहा है। लेकिन निश्चित रूप से हालात के मुताबिक और प्रत्येक खिलाड़ी की सहजता को भी देखते हुए। उन्होंने कहा, श्वह उन खिलाड़ियों में से एक है जो खेल को नियंत्रित कर सकती है और बाद में बल्लेबाजी के लिए आने के बजाय पहले उतरे क्योंकि इससे उसे ज्यादा समय मिलेगा।

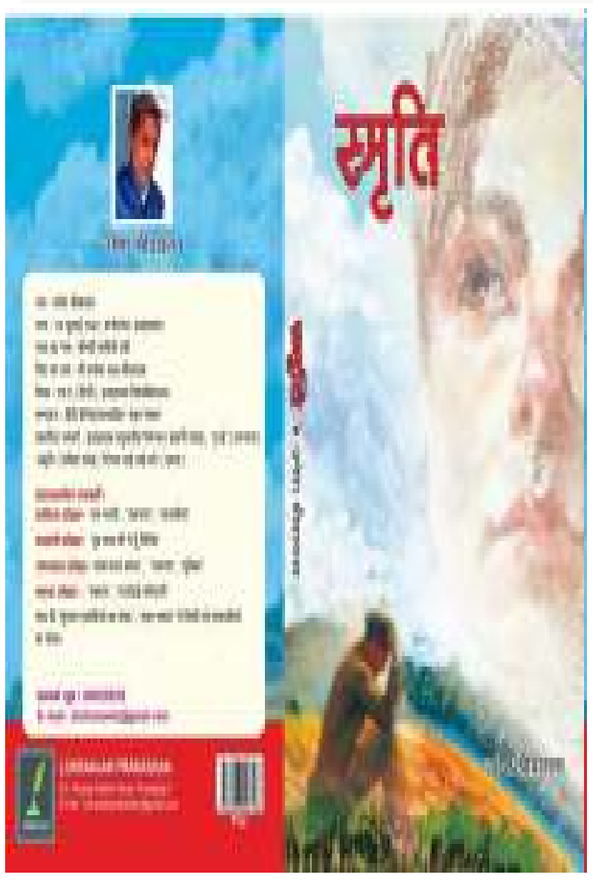

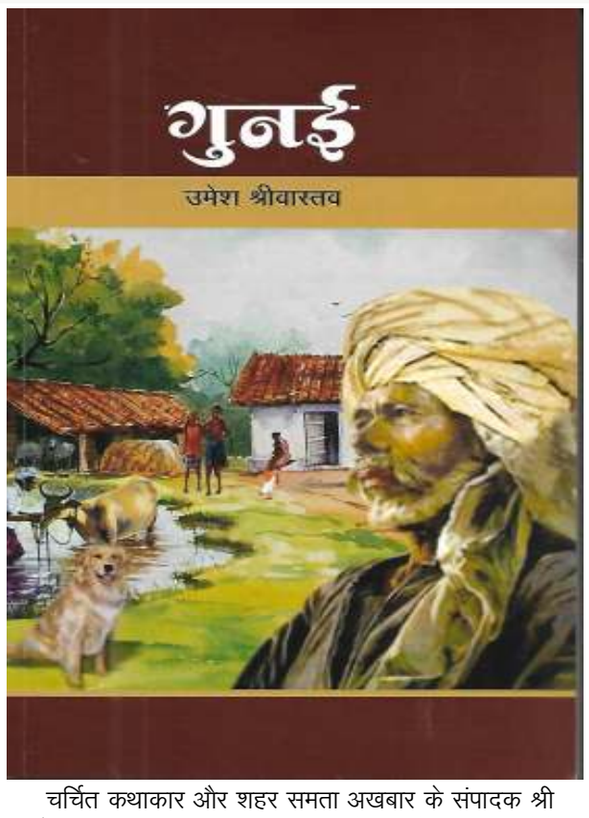

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

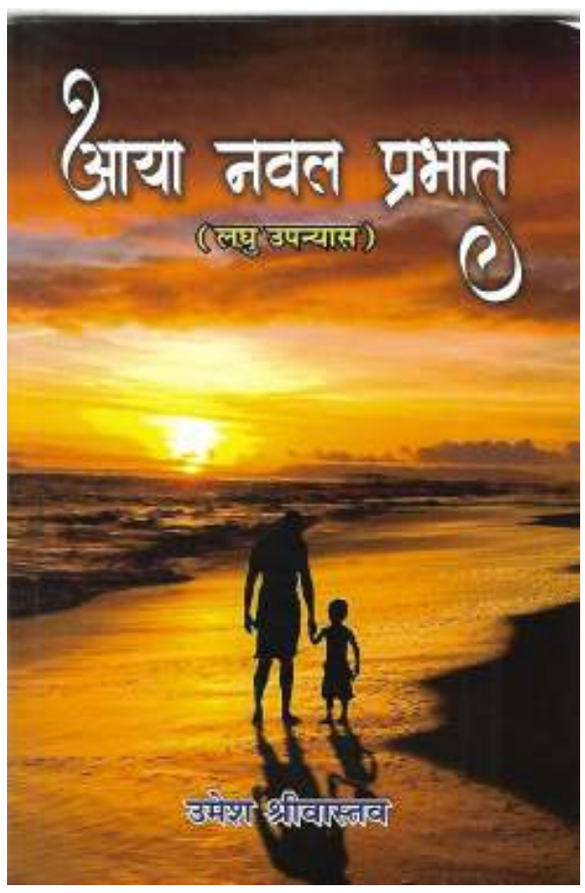

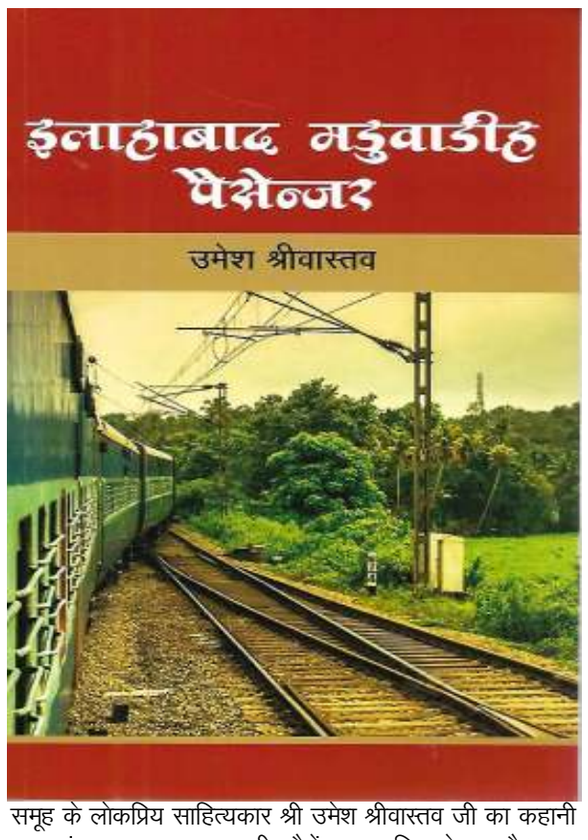

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

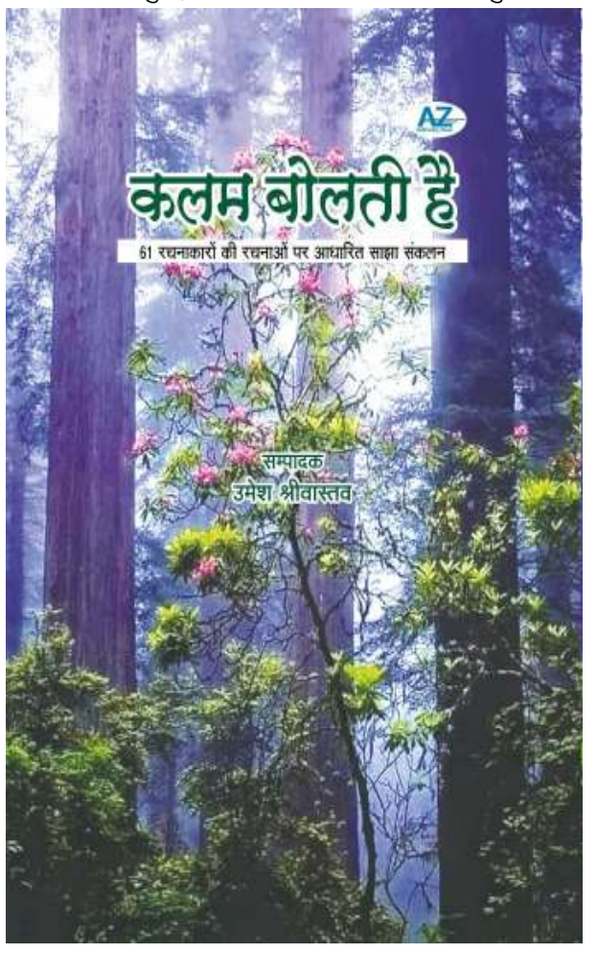

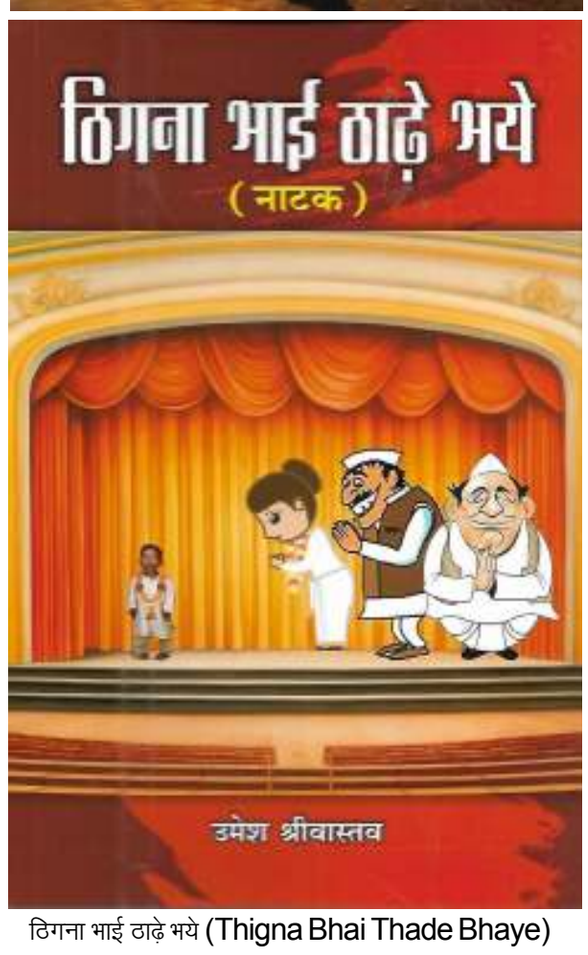

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

कमला हैरिस से बेहद नाराज हूं और उन पर व्यक्तिगत हमले कर सकता हूं : ट्रंप

अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से ''बेहद नाराज'' हैं और इस पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार एवं अपनी प्रतिद्वंद्वी पर व्यक्तिगत हमले कर सकते हैं। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने न्यू जर्सी के बेडमिंस्टर में अपने गोल्फ क्लब में संवाददाताओं से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा, ''मेरे मन में उनके लिए कोई खास सम्मान नहीं है। उनकी बुद्धिमत्ता के लिए भी मेरे मन में कोई खास सम्मान नहीं है। मेरा मानना है कि वह बहुत खराब राष्ट्रपति साबित होंगी। व्यक्तिगत हमले अच्छे होते हैं या बुरे... इस बारे में मेरा कहना है कि वह भी मेरे ऊपर व्यक्तिगत हमले करती हैं।''दरअसल ट्रंप की पार्टी के सदस्यों ने उनसे हैरिस पर व्यक्तिगत हमले नहीं करने का अनुरोध किया है और ट्रंप उन्हीं से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे थे। ट्रंप ने कहा, '' जहां तक हैरिस पर व्यक्तिगत हमलों की बात है तो उन्होंने देश के साथ जो किया है मैं उससे बहुत नाराज हूं। मैं उनसे इस बात पर नाराज हूं कि उन्होंने मेरे और अन्य के खिलाफ न्याय प्रणाली को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। मैं बेहद नाराज हूं और मुझे लगता है कि मैं व्यक्तिगत हमले कर सकता हूं।'' ट्रंप ने कहा, ''उन्होंने (हैरिस ने) मुझे अजीब कहा। उन्होंने जे डी (वैंस, ट्रंप के साथ उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार) और मुझे अजीब कहा। वह (वैंस) अजीब नहीं हैं। वह येल में एक बेहतरीन छात्र थे, वह ओहायो स्टेट गए उन्होंने कक्षा में सर्वाधिक अंकों से स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की। दूसरी तरफ ऐसा व्यक्ति है जो असफल उम्मीदवार है, जिसका करियर बहुत खराब रहा है।

पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान टीटीपी के सात आतंकवादी ढेर

पाकिस्तान के हिंसा–प्रभावित खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ के दौरान तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के सात आतंकी मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सेना की मीडिया शाखा इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस

(आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि कुर्रम जिले में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर उनके खिलाफ अभियान चलाया गया। इसमें कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने टीटीपी के सात आतंकवादियों को ढेर कर दिया, जबकि पांच आतंकी घायल हैं। बयान के अनुसार, ख्वारिज (आतंकवादियों) के ठिकाने का भी भंडाफोड़ किया गया और वहां से काफी संख्या में हथियार, गोला–बारूद और विस्फोटक बरामद किए गए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने आपराधिक मामले में सजा पर फैसला राष्ट्रपति चुनाव तक टाले जाने का अनुरोध किया

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क में गुप्त धन के लेन–देन के आपराधिक मामले में न्यायाधीश से अनुरोध

किया कि उनकी सजा पर फैसला नवम्बर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के बाद तक स्थगित कर दिया जाये। बृहस्पतिवार को सार्वजनिक किए गए एक पत्र में आगामी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार के वकील ने सुझाव दिया कि चुनाव के दिन से लगभग सात सप्ताह पहले 18 सितंबर को निर्धारित तिथि पर ट्रंप को सजा सुनाना चुनाव में हस्तक्षेप करने जैसा होगा। ट्रंप के वकील टॉड ब्लैंच ने कहा कि सजा को नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव तक टाल दिया जाये। उन्होंने कहा कि जल्दबाजी करने का कोई आधार नहीं है।

अमेरिका के निशाने पर थीं शेख हसीना, नरम रुख के लिए बाइडेन प्रशासन पर भारत बनाता रहा दबाव, रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे

बांग्लादेश में छात्र विरोध प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना को हाल ही में पद से हटाए जाने के बाद पड़ोसी देश में उठापटक को दौर जारी है। भारत भी पूरी घटनाक्रम को लेकर चिंतित है। इन सब के बीच पिछले एक साल में भारतीय और अमेरिकी अधिकारियों के बीच जटिल कूटनीतिक लेन–देन के बारे में रिपोर्टें सामने आई हैं। द वाशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट में दोनों देशों के सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि उनके पद से हटाए जाने से एक साल पहले, भारतीय राजनयिकों ने बांग्लादेश की लंबे समय से सत्तावादी प्रधानमंत्री रहीं हसीना पर दबाव कम करने के लिए अपने अमेरिकी समकक्षों से सक्रिय रूप से पैरवी की थी। बिडेन प्रशासन जनवरी में विवादास्पद

चुनाव से पहले राजनीतिक विरोधियों और कथित मानवाधिकार हनन पर कठोर कार्रवाई के लिए हसीना की आलोचना करता रहा है। अमेरिका ने हसीना की कमान के तहत एक बांग्लादेशी पुलिस इकाई पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिस पर न्यायेतर हत्याओं का आरोप था और लोकतंत्र को कमजोर करने में शामिल बांग्लादेशियों पर वीजा प्रतिबंध लगाने की धमकी दी थी। जवाब में, विपक्ष के सत्ता में आने पर इस्लामी समूहों के संभावित उदय के बारे में चिंतित भारतीय अधिकारियों ने अमेरिका से अपने लोकतंत्र समर्थक रुख को नरम करने का आग्रह किया। नाम न बताने के अनुरोध पर रिपोर्ट में एक भारतीय सरकारी सलाहकार के हवाले से कहा गया है, ष्आप इसे लोकतंत्र के स्तर पर देखते हैं, लेकिन हमारे लिए, मुद्दे बहुत अधिक गंभीर और अस्तित्वगत हैं।ष भारतीय सरकारी सलाहकार ने कहा, ष्अमेरिकियों के साथ बहुत सी बातचीत हुई, जिसमें हमने कहा, यह हमारे लिए एक मुख्य चिंता का विषय है, और आप हमें रणनीतिक साझेदार के रूप में नहीं ले सकते, जब तक कि हमारे पास किसी तरह की रणनीतिक सहमति न हो। भारतीय अधिकारियों ने यह भी तर्क दिया था कि अगर विपक्ष को चुनाव में सत्ता हासिल करने की अनुमति दी गई, तो बांग्लादेश इस्लामी गुटों के लिए पनाहगाह बन जाएगा, जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन जाएगा। इसके कारण बिडेन प्रशासन ने अपनी आलोचना को नरम कर दिया और हसीना के शासन के खिलाफ आगे प्रतिबंधों की धमकियों को टाल दिया, जिससे कई बांग्लादेशी निराश हुए। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि यह एक सोचा–समझा कदम था जिसका संबंध भारतीय लॉबिंग से था। आपको बता दें कि सेना द्वारा लगाए गए कर्फ्यू के आदेशों की अवहेलना करने वाले प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री हसीना के आधिकारिक आवास पर मार्च किया, जिसके कारण उन्हें भारत भागने पर मजबूर होना पड़ा। अब नई दिल्ली और वाशिंगटन के नीति निर्माताओं को यह पुनर्मूल्यांकन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है कि क्या उन्होंने बांग्लादेश में स्थिति को ठीक से नहीं संभाला।

तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर है दुनिया, पश्चिमी देशों को चेतावनी देते हुए रूसी सांसद ने किया बड़ा दावा

रूसी संसद के उपसभापति मिखाइल शेरेमेट ने रूस–यूक्रेन सीमा पर बढ़ते युद्ध आक्रमण के मद्देनजर के हैरान करने वाला बयान दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि रूस के कुर्स्क क्षेत्र में पश्चिमी समर्थित यूक्रेनी घुसपैठ के कारण दुनिया संभावित तीसरे विश्व युद्ध के करीब पहुंच रही है। शेरेमेट, जो रूस की रक्षा समिति के सदस्य हैं, का दावा है कि रूसी धरती पर हमले में पश्चिमी सैन्य उपकरणों और विदेशी भागीदारी का शामिल होना एक भयानक वृद्धि को दर्शाता है जो वैश्विक संघर्ष का कारण बन सकता है। मिखाइल शेरेमेट के हवाले से कहा गया है कि पश्चिमी सैन्य उपकरणों की उपस्थिति, नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमलों में पश्चिमी गोला–बारूद और मिसाइलों का उपयोग तथा रूसी क्षेत्र पर हमले में विदेशियों की भागीदारी के अकाट्य सबूतों को देखते हुए,

हम इस निष्कर्ष पर पहुंच सकते हैं कि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर है। 6 अगस्त को शुरू हुए इस आक्रमण में यूक्रेनी सेना ने महत्वपूर्ण प्रगति की है, रूसी क्षेत्र में काफी अंदर तक प्रवेश किया है तथा 200,000 से अधिक लोगों को वहां से निकालने के लिए मजबूर किया है। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बृहस्पतिवार को कहा कि यूक्रेनी सैनिकों ने रूसी क्षेत्र में घुसपैठ करते हुए कुर्स्क क्षेत्र में रूस के सुदजा शहर पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया है। यह शहर, यूक्रेन द्वारा अब तक कब्जा किए गए सबसे बड़े शहर में से एक है, जहां युद्ध से पहले जनसंख्या लगभग 5,000 थी। जेलेंस्की ने कहा कि सुदजा में यूक्रेनी सैन्य कमांडर का कार्यालय स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कार्यालय के कामकाज के बारे में विस्तार से नहीं बताया। इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है।

अब फैलने लगा मंकी पॉक्स का खतरा, डब्लूएचओ ने जारी किया अलर्ट

मंकीपॉक्स वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए अब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अलर्ट जारी कर दिया है। मंकीपॉक्स वायरस को वैश्विक आपदा घोषित किया गया है। अबतक अफ्रीका में ही

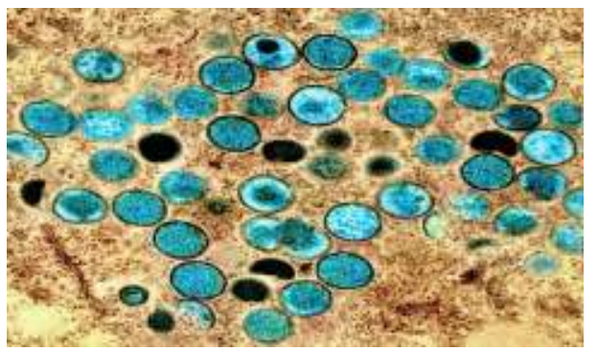

ये बीमारी फैली हुई थी। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी इसका पहला मामला सामने आ गया है। भारत में भी इस वायरस के फैलने का खतरा अब मंडराने लगा है। मंकी पॉक्स वायरस के संबंध में कहा जाता है कि ये भी कोरोना वायरस की तरह ही तेजी से फैल सकता है। इस वायरस को लेकर पाकिस्तान में अलर्ट जारी कर दिया गया है। भारत के लिए भी ये चिंता का विषय है। बता दें कि इस मंकी पॉक्स वायरस को लेकर पाकिसतान में भी अलर्ट जारी हुआ है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में ये वायरस का पहला मामला मिला है। इस वर्ष पाकिस्तान में ये मंकीपॉक्स का पहला मामला है। इस वायरस से पीड़ित व्यक्ति हाल ही में सऊदी अरब की यात्रा कर आया है। पाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि युवक में मंकीपॉक्स की पुष्टि हुई है। व्यक्ति का इलाज किया जा रहा है। जानकारी के लिए बता दें कि व्यक्ति तीन अगस्त को ही पाकिस्तान लौटा था। उसकी सेहत खराब होने के बाद उसकी जांच की गई जिसमें मंकीपॉक्स की पुष्टि हुई है।

वेनेजुएला में फिर से चुनाव के पक्ष में हैं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन

वेनेजुएला में निकोलस मदुरो के जीत के दावे को अमेरिका और मित्र देशों द्वारा खारिज कर दिये जाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह वहां नये चुनाव का समर्थन करेंगे। व्हाइट हाउस में जब बाइडन से संवाददाताओं ने पूछा कि क्या वह पुनर्मतदान का समर्थन करते हैं तो उन्होंने कहा, ''मैं (समर्थन) करता हूं।'' हालांकि बाइडन ने इसे और स्पष्ट नहीं

किया। व्हाइट हाउस ने भी राष्ट्रपति की संक्षिप्त टिप्पणी के बारे में तत्काल विस्तार से कुछ नहीं बताया है। इससे पहले बृहस्पतिवार को वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचादो ने ब्राजील के राष्ट्रपति के इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया कि पिछले महीने के चुनाव परिणाम पर विवाद पैदा हो जाने के बाद वेनेजुएला में नये सिरे से राष्ट्रपति चुनाव कराया जाए।

हसीना और नौ अन्य लोगों के खिलाफ नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराध की जांच शुरू

ढाका। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और नौ अन्य लोगों के खिलाफ नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराध के आरोपों की जांच शुरू कर दी है। हसीना पर ये आरोप 15 जुलाई से पांच अगस्त के बीच उनकी सरकार के खिलाफ छात्रों के व्यापक आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं को लेकर हैं। हसीना, अवामी लीग के महासचिव और पूर्व सड़क परिवहन एवं पुल मंत्री ओबैदुल कादर, पूर्व गृह मंत्री असद–उज–जमां खान कमाल और पार्टी के कई अन्य प्रमुख लोगों के खिलाफ बुधवार को बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण की जांच एजेंसी के साथ शिकायत दर्ज कराई गई। 'ढाका ट्रिब्यून' समाचार पत्र की खबर के अनुसार, शिकायतकर्ता के वकील गाजी एमएच तमीम ने बृहस्पतिवार को न्यायाधिकरण द्वारा जांच शुरू किये जाने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि एजेंसी ने बुधवार रात मामले की जांच शुरू कर दी। याचिका में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग और उसके सहयोगी संगठनों के भीनाम हैं। नौवीं कक्षा के छात्र आरिफ अहमद सियाम के पिता बुलबुल कबीर ने यह याचिका दायर की है। आरिफ की आरक्षण विरोधी छात्र आंदोलन के दौरान मौत हो गई थी। कबीर ने अपनी याचिका में हसीना और अन्य पर छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसक कार्रवाई करने का आरोप लगाया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने एक जुलाई से पांच अगस्त के बीच की अवधि के दौरान हुई हत्याओं से जुड़े मामलों की सुनवाई अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा किये जाने की घोषणा की थी। यह शिकायत उसी दिन दर्ज कराई गई।

सऊदी के युवराज को सता रहा अपनी हत्या का डर, अमेरिकी अधिकारियों के सामने जताई आशंका

रियाद। सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान को अपनी हत्या का डर सता रहा है। ये खुलासा किसी और ने नहीं बल्कि खुद मोहम्मद बिल सलमान ने ही किया है। दरअसल सऊदी युवराज को डर है कि अगर वे इस्राइल, अमेरिका और सऊदी अरब की संभावित डील पर आगे बढ़ते हैं तो उनकी हत्या हो सकती है। पॉलिटिको में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, मोहम्मद बिन सलमान से इस्राइल–सऊदी अरब–अमेरिका की संभावित डील को लेकर अमेरिकी अधिकारियों ने मुलाकात की थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।